29 मार्च 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका हाई कोर्ट में खारिज
2

पिता ने 4 मासूमों का गला रेत, लगाई फांसी

शाहजहांपुर की घटना

एजेंसी/शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। रोजा थाना क्षेत्र के मानपुर चचरी गांव में एक पिता ने अपने ही चार मासूम बच्चों को धारदार हथियार से बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया और इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस खौफनाक वारदात ने न केवल गांव में सनसनी फैला दी, बल्कि लोगों के दिलों को भी दहला दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

मृतकों में आरोपी राजीव कुमार (36) की तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। सबसे बड़ी बेटी की उम्र 14 साल थी जबकि सबसे छोटे बेटे की उम्र महज 5 साल थी। बताया जा रहा है कि यह घटना बुधवार देर रात की है। सुबह काफी देर तक घर से कोई हलचल न होने पर परिजनों को शक हुआ। राजीव के पिता ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर का मंजर देखकर सभी के होश उड़ गए। बेड पर चारों बच्चों की लाशें खून से लथपथ पड़ी थीं वहीं राजीव का शव फंदे से लटक रहा था।

एसपी समेत कई अधिकारी पहुंचे घटना की जांच करने

सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह को इस जघन्य वारदात की वजह माना जा रहा है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या कोई अन्य वजह इस वारदात के पीछे हो सकती है। यह घटना समाज के सामने एक गंभीर सवाल छोड़ गई है कि पारिवारिक तनाव और गुस्से का ऐसा खौफनाक परिणाम कैसे रोका जा सकता है।

पति-पत्नी के बीच अक्सर होता था झगड़ा

पुलिस और गांव वालों के अनुसार राजीव का अपनी पत्नी क्रांति से आए दिन झगड़ा होता रहता था। दो-तीन दिन पहले क्रांति मायके चली गई थी जिसके बाद से राजीव गुस्से में था। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले हुए एक हादसे के बाद से वह अक्सर अपना आपा खो देता था। मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करने वाले राजीव का अपने गुस्से पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया था। पत्नी के मायके जाने के बाद वह और आक्रोशित हो गया था। इसी गुस्से में उसने पहले अपने बच्चों की जान ली और फिर खुद को फांसी पर लटका लिया।

पटना में प्रेमिका को मारी गोली, फिर दे दी जान

दीघा मरीन ड्राइव की घटना

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना के दीघा मरीन ड्राइव पर एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर उसने खुद को भी गोली मार ली, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना पटना के दीघा थाना क्षेत्र के दीघा मरीन ड्राइव की है। घटनास्थल पर से पुलिस ने पिस्टल और खोखा बरामद किया है। प्रेमी की पहचान मधुबनी जिला के झंझारपुर निवासी राहुल कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक लड़की वैशाली जिले के लालगंज इलाके की बताई जा रही है।

घटना के संबंध में आसपास के लोगों का कहना है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो रहा था। इसी दौरान युवक ने पिस्टल निकाला और लड़की को गोली मार दी। गोली लगते ही लड़की वहीं गिर पड़ी। फिर लडके ने खुद को भी गोली मार ली। आसपास के लोग जबतक कुछ समझ पाते और कुछ कर पाते, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। फिर वहां मौजूद लोगों ने फोन कर घटना की जानकारी दीघा थाना की पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से एक बैग में एक कई जिंदा कारतूस कई खोखा बरामद किया है। आसपास मौजूद लोगों का कहना है कि दोनों छात्र छात्रा हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस जांच कर रही है। प्रेमी-प्रेमिका के शव जनार्दन घाट की सीढ़ियों पर पड़े थे। पास में ही वो पिस्टल था जिससे दोनों की जान गई।

बता दें कि हाल ही में आरा रेलवे स्टेशन परिसर में सनकी आशिक ने युवती और उसके पिता की सरेआम हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने भी खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी।

सिटी एसपी बोलीं... घटना की वजह की जांच कर रही पुलिस

भीड़-भाड़ वाले इलाके में हुई बड़ी वारदात के बाद इसकी जांच करने सिटी एसपी सेंट्रल स्वीटी सहरावत भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मौके से एक बैग मिला है, जिसमें लड़के का आधार कार्ड है, उससे उसकी पहचान हुई है। वहीं उसके बैग से एक जिंदा कारतूस भी मिला है। लड़के के परिजन भी मौके पर मौजूद हैं। लड़की का नाम अर्पित उर्फ सुरभि है। घटना के पीछे आखिर क्या वजह थी, इस मामले की जांच की जा रही है।

खबरें फटाफट

समस्तीपुर में मंदिर में घुस युवक ने तोड़ी बजरंगबली की मूर्ति

पटना। बिहार के समस्तीपुर में शुक्रवार को एक मुस्लिम युवक ने मंदिर में घुसकर बजरंगबली की मूर्ति तोड़ दी। कपूर्री ग्राम थाना क्षेत्र में मूर्ति का हाथ टूटते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। देखते ही देखते सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आक्रोशित भीड़ ने आगजनी शुरू कर दी, तोड़फोड़ मचाई और नारेबाजी की। लोगों ने उस युवक को पकड़कर पोल से बांध दिया और आरोप लगाया कि उसने पत्थर फेंककर मूर्ति खंडित की। माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि हर तरफ अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। एएसपी संजय पांडे ने माइकिंग कर लोगों से शांति की अपील की और कहा, उसे छोड़ दीजिए, वरना आप पर भी कार्रवाई होगी। पुलिस की अपील पर जब लोग माने तो पुलिस ने युवक को छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। बवाल न बढ़े ऐसे में अफसरों ने हालात काबू में करने की कोशिश की, लेकिन लोगों का गुस्सा और दर्द साफ झलक रहा था। इस घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया है।

भूकंप से दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में मची भारी तबाही, हजारों लोग घायल

म्यांमार और थाईलैंड में 7.7 तीव्रता का भूकंप, अब तक 150 से अधिक जानें गईं

एजेंसी/नई दिल्ली

म्यांमार और थाईलैंड में शुक्रवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। इसमें दक्षिण पूर्व एशिया के देशों और अन्य क्षेत्रों में भारी तबाही मची है। इन क्षेत्रों में ऊंची इमारतें और सैकड़ों घर ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिसके रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए। इन शहरों में लोगों को निकालने का काम किया जा रहा है। म्यांमार में भूकंप के चलते अब तक 144 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, 732 लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के मुताबिक म्यांमार में पहले भूकंप के ठीक 12 मिनट बाद दूसरा भूकंप आया। रिपोर्ट के मुताबिक दूसरा भूकंप की तीव्रता 6.4 की थी जो पहले आए 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से कम था। शक्तिशाली भूकंप के बाद म्यांमार के छह क्षेत्रों में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। विनाशकारी भूकंप से इमारतें, पुल और बांध नष्ट हो गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जहां निमार्णाधीन एक ऊंची इमारत ढह गई।

म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख ने शुक्रवार शाम को टेलीविजन पर दिए भाषण में कहा कि कम से कम 144 लोग मारे गए और 730 अन्य घायल हो गए। वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राजधानी नेपीता में भूकंप से सरकारी कर्मचारियों के आवास वाली अनेक इमारतें नष्ट हो चुकीं तथा बचाव दल मलबे से पीड़ितों को निकाल रहे हैं।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के लोकप्रिय चतुचक बाजार के पास एक निमार्णाधीन 33 मंजिला इमारत के ऊपर एक क्रेन रखी हुई थी, धूल के गुबार में तब्दील हो गई। बैंकॉक में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

म्यांमार में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद भारत के कई हिस्सों में झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र सागाइंग क्षेत्र के पास था। इसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में हल्के से मध्यम झटके देखे गए। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत के राज्य जैसे मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में भी भूकंप का असर साफ तौर पर महसूस हुआ। भूकंप के इन झटकों ने लोगों में दहशत पैदा की, और कई जगहों पर लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि, भारत में अभी तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

पीएम मोदी ने जताई संवेदना, बोले- हम इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े हैं : भूकंप के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा, म्यांमार में भूकंप से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। हम इस मुश्किल घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भारत म्यांमार को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। पीएम ने प्रभावित लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें और यह संकट जल्द खत्म हो।

चारा घोटाला के 950 करोड़ रु. वापस लाने की तैयारी में सरकार

घोटाला के कारण बिहार को हुआ नुकसान: सम्राट

केटी न्यूज/पटना

बिहार में चुनाव से पहले चारा घोटाले का जिन्न एक बार फिर बाहर आ गया है। इस बीच डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि घोटाले के कारण बिहार सरकार को 950 करोड़ का नुकसान हुआ। ऐसे में इस राशि को लेकर बिहार सरकार चिंतित है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी चीजों को देख रही है। ताकि गबन की राशि सरकार को वापस मिल जाए। सरकार कोर्ट जाने से लेकर एजेंसियों से संपर्क साध सकती है। इस पर विचार किया जा रहा है। 1996 में पटना हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने चारा घोटाला मामले की जांच की थी। हाईकोर्ट ने जांच के आदेश के साथ ही कहा था कि घोटाले में गबन की गई राशि बिहार सरकार के खजाने में वापस लाई जाए। हालांकि इसमें सीबीआई विफल रही। अब सरकार एक बार फिर 29 साल बाद इस मुद्दे पर गंभीर दिख रही है।

बता दें कि चारा घोटाले के कारण लालू यादव को सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बनाया था। सम्राट चैधरी ने कहा कि सरकार कोर्ट भी जा सकती है इसके अलावा सीबीआई को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए भी कह सकती है।

इस मामले को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। आरजेडी विधायक रामवृक्ष सदा ने सरकार के फैसले पर ही सवाल उठा दिया। विधायक ने कहा कि बिहार सरकार कौन होती है? सबसे बड़ी तो कोर्ट है, जो मामला न्यायालय में लंबित है, उस पर न्यायालय को फैसला करना होता है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। कहा कि इसी मामले में पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा को जमानत मिल जाती है, लेकिन पिछड़ा और अति पिछड़ा को जेल हो जाती है।

कर्मचारियों को तोहफा... केंद्र ने डीए और डीआर में दो प्रतिशत बढ़ोतरी को दी मंजूरी

एजेंसी/भुवनेश्वर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते व महंगाई राहत (डीए व डीआर) में 2% की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इसका एलान किया। इस संशोधन के साथ, डीए और डीआर 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा। इससे कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंशन में वृद्धि होगी। पिछली बार डीए में वृद्धि जुलाई 2024 में हुई थी, जब इसे 50% से बढ़ाकर 53% किया गया था।डीए और डीआर दोनों में वृद्धि के कारण राजकोष पर संयुक्त प्रभाव प्रति वर्ष 6,614.04 करोड़ रुपये होगा। सरकार के इस फैसले से करीब 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा।

कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अतिरिक्त डीए और डीआर से जुड़ा फैसला 01 जनवरी 2025 से लागू होगा और सरकार इस मद में अतिरिक्त 7,716 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (अक्ळढक-क्ह) के 12 महीने के औसत में वृद्धि के आधार पर डीए की दर तय की जाती है। डीए वृद्धि मद में सरकार इस वृद्धि के बाद अतिरिक्त 3,622 रुपये खर्च करेगी। वहीं डीआर मद में 2,992 रुपये का अतिरिक्त खर्चा आएगा। महंगाई भत्ता (डीए) सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से निपटने में मदद करने के लिए दिया जाने वाला भत्ता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बढ़ती महंगाई के कारण वेतन अपना मूल्य न खो दे।

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल समेत अन्य नेताओं पर केस दर्ज

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत अन्य नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर 2019 में द्वारका इलाके में अवैध तरीके से बड़े होर्डिंग और पोस्टर-बैनर लगाने के मामले में दर्ज की गई है। यह एफआईआर अदालत के आदेश पर की गई है, इसकी अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। अदालत ने यह आदेश शिव कुमार सक्सेना नामक व्यक्ति दायर याचिका पर दिया था। इस याचिका में कहा गया था कि आप नेताओं ने बिना अनुमति होर्डिंग लगाए। इस मामले में अदालत ने 11 मार्च को पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। यह मामला दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 2007 की धारा 3 के तहत दर्ज किया गया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे अवैध होर्डिंग न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। मामले में केजरीवाल समेत पूर्व विधायक गुलाब सिंह और पूर्व पार्षद नितिका शर्मा के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में डबल हीटवेव की दी चेतावनी

देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा रहेगा तापमान

एजेंसी/नई दिल्ली

चुभती जलती गर्मी इस बार हालत खराब करने वाली है। इस बार उत्तर-पश्चिम भारत में डबल हीटवेव की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इसकी चेतावनी दी है। सामान्य से ज्यादा गर्मी पड़ने की संभावना है। इस साल 10 से 12 दिन हीटवेव के हो सकते हैं। आमतौर पर 5 से 6 दिन ही हीटवेव होती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम और मध्य भारत में ज्यादा गर्मी पड़ेगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक अनुमान है। इसका मतलब यह नहीं है कि हर दिन सामान्य से ज्यादा गर्मी होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग आगे भी अपडेट देता रहेगा। मौसम विभाग अधिकारी ने यह नहीं बताया कि क्या इस साल 2024 से ज्यादा गर्मी होगी। 2024 भारत का सबसे गर्म साल था। मौसम विभाग के अनुसार, हीटवेव तब होती है जब मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाए या फिर तापमान सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा हो।

मौसम विभाग ने फरवरी में मार्च से मई 2025 के लिए एक रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। लेकिन दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ इलाकों में तापमान सामान्य या थोड़ा कम रह सकता है। आने वाले दिनों में उत्तर भारत में गर्मी और बढ़ेगी। दिल्ली और आसपास के इलाकों में तापमान 1-2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। राजस्थान से आने वाली हवाओं के कारण तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट आ सकती है। ये हवाएं 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से चलेंगी। इससे पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में धूल भरी आंधी चलेगी।

बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से पूर्व में जारी रिजल्ट रहेगा लागू

झटका : बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका हाई कोर्ट में खारिज

♦ प्रशांत किशोर ने लंबी भूख हड़ताल की थी और हाईकोर्ट में परीक्षार्थियों से एक याचिका दायर करवा दी थी

केटी न्यूज/पटना

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका पटना हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। अब पूर्व में जारी किया गया रिजल्ट लागू रहेगा। इससे पहले कुछ शर्तों के साथ बिहार लोक सेवा आयोग ने को 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी किया था। उसमें शर्तें थीं कि एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित माननीय हाई कोर्ट, पटना में दायर याचिका सीडब्ल्लूजेसी- 369/2025 में पारित आदेश के फलाफल से परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा। साथ ही जिन अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा प्रतिवारित किया गया है और भविष्य में प्रतिवारित किया जाना है उनकी भी अभ्यर्थिता प्रभावित होगी। लेकिन कोर्ट से अब आए फैसले ने सभी शर्तों को खत्म कर दिया है और रिजल्ट पहले वाला ही लागू रहेगा। इस शर्त के पीछे वह आंदोलन और एक याचिका थी।

दरअसल, बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा हंगामे के कारण विवादों में आ गई थी। पटना के एक परीक्षा केंद्र की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद हंगामे ने पैर पसारना शुरू किया। आयोग ने उस परीक्षा केंद्र पर पुनर्परीक्षा ले ली, लेकिन वह हंगामा शांत नहीं हुआ। बीपीएससी अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र में देर से प्रश्नपत्र देने, परीक्षा कक्ष में प्रश्नपत्रों के कम-ज्यादा होने, एक-दूसरे रूप में खुले में ले जाए जाने, परीक्षा के दौरान उत्तरपुस्तिका छीन-झपट जैसे मुद्दों को जोड़ते हुए पेपर लीक तक का आरोप लगाया था।इन आरोपों के साथ परीक्षार्थियों का हंगामा शुरू तो छोटे स्तर पर हुआ, लेकिन फिर राजनीति के दिग्गजों का घुसना शुरू हुआ और मामला बढ़ता गया। पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव घुसे। फिर निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव। उसके बाद कमान संभाल ली जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने। इस क्रम में दो बार पुलिस से आंदोलनकारियों की झड़प भी हुई। कई कोचिंग संचालकों पर प्राथमिकी भी। अब तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पटना आने पर बीपीएससी आंदोलनकारियों के साथ खड़े होकर गए हैं। इन नेताओं में प्रशांत किशोर ने दो बड़े काम किए। एक तो उन्होंने लंबी भूख हड़ताल की और दूसरी कि हाईकोर्ट में परीक्षार्थियों से एक याचिका दायर करवा दी। बीपीएससी ने जो शर्तें लिखी हैं, उसके पीछे यही याचिका वजह है।

अंतरिम राहत नहीं दी, लेकिन कोर्ट ने बता दी शर्तें

शेखपुरा के पप्पू कुमार, पूर्वी चंपारण के संदीप कुमार सिंह, गया के रवीश कुमार राज, रोहतास के हिमांशु राज, मुजफ्फरपुर के सुभाष कुमार ठाकुर, दीपक कुमार व दीपशिखा, खगड़िया की खुशी कुमारी, नालंदा के गौतम कुमार व सत्यम राज, औरंगाबाद के राजन कुमार तिवारी, सुपौल के चंदन कुमार, पटना के विवेक कुमार और अररिया के आकाश आनंद ने सामूहिक रूप से यह याचिका दायर की थी। यह 14 नाम हाई कोर्ट में सामने से हैं, जबकि प्रशांत किशोर और उनका राजनीतिक दल-जन सुराज इसके साथ अंदर से खड़ा है। बिहार के मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव, बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार लोक सेवा आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को इसमें परिवादी बनाया गया है। याचिकाकताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता वाईवी गिरी हाईकोर्ट में जिरह कर रहे हैं। आंदोलन अभी भी चल रहा है, लेकिन ठंड के साथ थोड़ा ठंडा पड़ा है। हाईकोर्ट ने 31 जनवरी को सुनवाई की अगली तारीख देने के साथ ही स्पष्ट किया था कि याचिकाकर्ता की अपील पर कोई अंतरिम राहत नहीं दी जाएगी, लेकिन आयोग अगर रिजल्ट जारी करता है तो वह औपबंधिक होगा।

मुर्गी के विवाद में भाई ने भाई को मार डाला

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा जिले के पतरघट थाना क्षेत्र में मुर्गी के बच्चे को लेकर एक भाई ने अपने चचेरे भाई 35 वर्षीय चंदन कुमार को चाकूमार कर जख्मी कर दिया। जख्मी का इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना पतरघट थाना क्षेत्र के पतरघट वार्ड सात की है। एक भाई ने अपने ही चचेरे भाई को चाकू गोद कर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। इसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां इलाज के दौरान जख्मी युवक की मौत हो गई। मृतक युवक चंदन कुमार शादीशुदा है और उसे तीन बच्चे भी है। परिजनों ने बताया कि उसका चचेरा भाई राजा मुर्गी का बच्चा (चूजा) खरीदकर लाया था। इसका राजा ने विरोध किया और कहा कि जब अपने घर में मुर्गी सब नहीं आता है तो क्यों लेकर चले आए। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद राजा ने पास में रखे चाकू से अपने चचेरे भाई को चाकू से गोदकर बुरी तरह से जख़्मी कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने जख़्मी को इलाज के लिए पतरघट पीएचसी ले गया। चंदन की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के तीन छोटे छोटे बच्चे भी है।

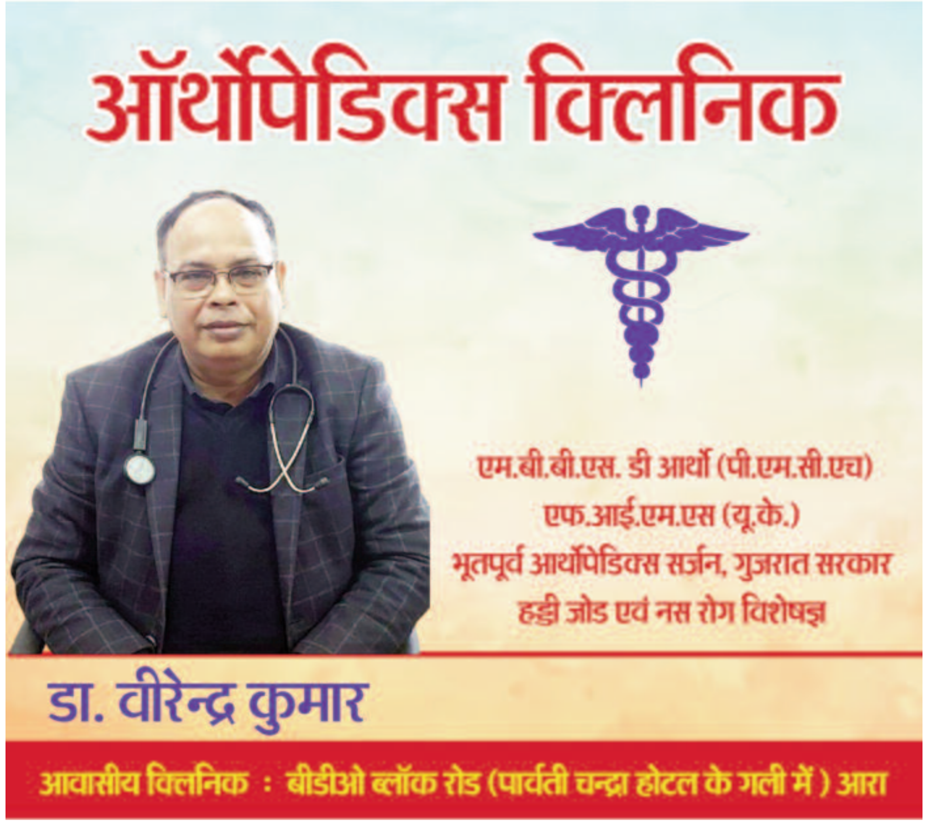

सहकारी समितियों को मिलेगी मजबूती, बैंक मित्र, एम-एटीएम और जन औषधि केंद्रों का होगा विस्तार

केटी न्यूज/पटना

सरकार सहकारिता और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कई योजनाओं पर काम कर रही है। इस दिशा में मक्का, दलहन और तिलहन फसलों को प्राथमिक कृषि साख समितियों पैक्स से जोड़ने की योजना बनाई गई है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही 100 नए किसान उत्पादक संगठन एफपीओ बनाए जा रहे हैं, जो किसानों को संगठित कर उनकी आय बढ़ाने में मदद करेंगे। हर जिले में पैक्स केंद्रों का विस्तार किया जाएगा, जिससे ग्रामीण किसानों को अधिक सुविधा मिलेगी। हर पैक्स में जन औषधि केंद्र खोले

जाएंगे ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध हो सकें। महिला दुग्ध उत्पादक समितियों को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना लायी गयी है। वर्तमान में राज्य में 30,519 दुग्ध उत्पादक समितियां कार्यरत हैं, जिनमें 14.39 लाख सदस्य हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इनमें 50 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की हो।

बैंकिंग सेवाओं का विस्तार : सहकारी समितियों को बैंक मित्र के रूप में विकसित कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं बढ़ेंगी। अगले 6 महीनों में 1500 समितियों को माइक्रो एटीएम दिए जाएंगे। साथ ही नाबार्ड ने 785 एम-एटीएम के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया है, जिनमें से 100 समितियों को ये मशीनें वितरित की जा चुकी हैं। इस कार्यक्रम में 5350 पैक्स समितियां, मत्स्यजीवी सहयोग समितियां, बुनकर सहयोग समितियां, 1000 दुग्ध उत्पादक समितियां, 300 सब्जी उत्पादक समितियां और 300 हैंडलूम वीवर्स समितियां भाग लेंगी। सब्जी को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की योजना है।

आज आएगा बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा का परिणाम

पटना। बिहार परीक्षा बोर्ड ने 25 मार्च को 12वीं कक्षा के बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी कर दिए हैं। परीक्षा समाप्त होने के लगभग 40 दिनों के भीतर रिजल्ट जारी कर बोर्ड ने एक बार फिर सबसे पहले नतीजे घोषित करने का रिकॉर्ड कायम किया है। इंटरमीडिएट के नतीजों के बाद अब मैट्रिक के छात्रों का इंतजार भी समाप्त होने जा रहा है। बोर्ड 29 मार्च को दोपहर 12 बजे मैट्रिक परीक्षा के नतीजों की घोषणा करने वाला है। 10वीं परीक्षा के नतीजे घोषित होते ही छात्र अमर उजाला की वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट सबसे पहले चेक कर सकेंगे। उन्हें अपनी मार्कशीट, स्कोरकार्ड डाउनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

मोतिहारी में सीएम आवास योजना के सर्वेक्षण में गड़बड़ी, पीआरएस बर्खास्त

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी में प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वेक्षण में गड़बड़ी सामने आयी है। पताही प्रखंड के परासौनी कपूर पंचायत के पीआरएस बसंत झा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में वह दलालों के साथ अवैध वसूली का हिसाब करते दिख रहे हैं। वीडियो में बसंत झा कह रहे हैं कि सर्वे किए गए लोगों से और अधिक पैसे मिलने चाहिए थे। दलाल 14 लोगों के सर्वे का जिक्र करते हुए बता रहे हैं कि चार लोगों का पैसा अभी बाकी है। इनमें बिरजू दास, मुस्मात राकेश और एक महिला शामिल हैं। दलाल ने यह भी कहा कि एक गरीब महिला केवल 400 रुपए ही दे पाएगी। सर्वे के लिए गांव पहुंचे बसंत झा ने ग्रामीणों से फिर पैसों की मांग की। इससे नाराज ग्रामीणों ने उन्हें बंधक बना लिया। पताही थाना प्रभारी विनीत कुमार ने मौके पर पहुंचकर उन्हें छुड़ाया। इसके बाद दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने पीआरएस पर अवैध वसूली का आरोप लगाया। वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने पीआरएस बसंत झा को बर्खास्त करने के आदेश दिए हैं। साथ ही पूरे मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों को पक्का मकान दिया जाता है।

मंदिर को गंगा जल से धोने वालों को मिले रोजगार : कन्हैया

केटी न्यूज/औरंगाबाद

सुपौल में पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा को लेकर कन्हैया कुमार पहुंचे। इस दौरान इन्होंने कहा कि मंदिर को गंगाजल से धोने वाले को भी रोजगार मिलना चाहिए। उनके खाते में 15 लाख आने चाहिए और परिवार की महिलाओं को सुरक्षा भी मिलनी चाहिए। कांग्रेस की पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा शुक्रवार को सुपौल पहुंची। यात्रा का उद्देश्य बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन की समस्या को उजागर करना और सरकार पर युवाओं को रोजगार देने का दबाव बनाना है। यात्रा में कांग्रेस के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। शुरुआत में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की गैर मौजूदगी से राजनीतिक चर्चा गर्म रही, लेकिन बाद में वे भी यात्रा में शामिल हुए और जनता को संबोधित किया। कांग्रेस नेता ने अपने कहा कि बिहार के युवा नौकरी का, किसान अपनी फसल और महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा बिहार के नौजवानों और छात्रों की आवाज है, जो राज्य में बदलाव और न्याय की मांग को लेकर आगे बढ़ रही है। गंगा जल से सफाई को बताया दुर्भाग्यपूर्णकांग्रेस नेता ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि इन लोगों के खाते में 15 लाख रुपए आने चाहिए। कन्हैया कुमार ने आगे कहा कि देश में हर नागरिक को रोटी, कपड़ा, मकान और सम्मान मिलना चाहिए।

422 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही है परियोजना

पटना को मिलेगा पहला डबल-डेकर फ्लाईओवर, अप्रैल में होगा उद्घाटन

केटी न्यूज/पटना

राजधानी के अत्यधिक व्यस्ततम अशोक राजपथ पर यातायात को सुगम बनाने और इसे जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बन रहे डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम चरण में है। यह परियोजना 422 करोड़ की लागत से तैयार की जा रही है। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि इस फ्लाईओवर का निर्माण कार्य इसी माह पूर्ण कर लिया जाएगा। इसे अप्रैल के

अंतिम सप्ताह में जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस डबल-डेकर फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.2 किमी है। पहला स्तर 1.5 किमी लंबा होगा, जो पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक होगा। जबकि दूसरा स्तर कारगिल चौक से साइंस कॉलेज तक होगा। इसे पटना मेट्रो, बाकरगंज नाला पर सड़क और पीएमसीएच में प्रस्तावित मल्टी-लेवल कार पार्किंग से भी जोड़ा जाएगा। साथ ही, इसे जेपी गंगा पथ से कृष्णा घाट से लिंक किया जाएगा। अशोक राजपथ, पीएमसीएच, पटना विश्वविद्यालय और पटना सिटी क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने में यह फ्लाईओवर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसका सबसे अधिक लाभ छात्रों, मरीजों और व्यापारियों को मिलेगा, जिन्हें अब ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी।

पटना में बन रहा पहला अंडरग्राउंड सबवे

पटना। पटना शहर का व्यस्तम इलाका पटना जंक्शन को जल्द ही जाम से राहत मिलेगी। केंद्र और राज्य सरकार 72 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से शहर में भूमिगत सब-वे निर्माण करा रही है, जिसका काम अप्रैल में पूरा हो जायेगा। वहीं, जंक्शन पर आम लोगों की सुविधा के लिए बन रहे मल्टी मॉडल हब का निर्माण पूरा हो चुका है। मल्टी मॉडल हब और सब-वे निर्माण से पटना जंक्शन इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होगी। जीपीओ गोलम्बर के पास मल्टी मॉडल हब में सिटी बस, ऑटो, टैक्सी और निजी कार पार्किंग की व्यवस्था होगी।

अलविदा-ए-अलविदा माह शह-ए-रमजान, अकिदतमंदों ने मांगी अमन की दुआ

- अलविदा जुमा पर मुश्तैद रही पुलिस, ईद को ले सज गए बाजार

केटी न्यूज/बक्सर

रमजान के आखिरी जुम्मे, जिसे अलविदा जुमा कहा जाता है, कि नमाज के दौरान जब मस्जिद के इमामों ने खुत्बे में पढ़ा अलविदा-ओ-अलविदा, माह शह-ए-रमजान, तो वहां मौजूद रोजेदारों और इबादतगुजारों की आंखें छलक उठीं। इस पाक महीने के विदा होने का गम हर दिल में था, साथ ही ईद की आने वाली खुशियों को लेकर एक अलग ही उत्साह देखने को मिला।

माह-ए-रमजान की रुखसती के गम और ईद की खुशी का ये मिला-जुला एहसास अलविदा की नमाज में साफ झलक रहा था। जैसे आज ही ईद हो, हालांकि मुसलमानों के घरो में अंतिम जुम्मे को छोटी ईद के रूप में माना जाता है।

अलविदा जुमे की नमाज को लेकर जिले से लेकर ग्रामीण इलाके के तमाम मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। जहां अकीदतमंदों ने नमाज अदा कर अमन व शांति की दुआ मांगी। छोटी ईद की नमाज व आने वाले ईद को लेकर बच्चों में अधिक उत्साह देखा गया। नए पुराने साफ सुथरे कुर्ते पजामे के लिबास में सज-धज कर बच्चों ने भी मस्जिद में नमाज अदा की।

चौसा जामा मस्जिद के इमाम हाफिज मो. तौकीर ने तकरीर में कहा की अब भी दो-तीन दिन बाकी है। जो महरुम है, मौका है रोजा कर ले और इबादत कर अपने गुनाहों को माफ करा ले। इसकी बहुत बड़ी फजिलते है। काश जिंदगी अगर रमजान की तरह बन जाय तो मौत ईद की तरह होगी। साल के 11 माह के गुनाहो के तौबा के साथ अपने नाम किये गए इबादत नाम-ए-आमाल को जोड़ने का सुनहरा मौका होता है रमजान। जिला मुख्यालय स्थित कचहरी मस्जिद, बड़ी मस्जिद जुल्फजल से लेकर नगर समेत दोनों अनुमंडल के ग्रामीण इलाकों के तमाम मस्जिदों में जुम्मे की नमाज अदा की गयी।

@डुमरांव - अलविदा जुमा की नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन की दुआः रमजान के पाक महीने के अंतिम जुमे को रोजेदारों ने अलविदा नमाज अदा की। शहर के शाही जामा मस्जिद, बड़ी मस्जिद, पुरानी मस्जिद, अंसार कॉलोनी मस्जिद, पुराना थाना मस्जिद के अलावे नगर परिषद क्षेत्र के सभी मस्जिदों पर अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजामात रहे। शुक्रवार को मगफिरत और रहमत के पाक महीने में आखिरी जुमा यानी अलविदा की नमाज अदा करने के लिए नमाजियों की भीड़ उमड़ी। शहर की सभी मस्जिदें खचाखच भरी हुई थीं। मुस्लिम इलाकों में सुबह से अलविदा की तैयारी शुरू हो गई थीं। मस्जिदों के आसपास पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बेहतर तरीके से रही। हर चौराहे पर पुलिसकर्मी तैनात रहे।

एक नजर

धनसोई में शॉर्ट सर्किट से पांच घर जलकर राख

बक्सर। धनसोई थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में गुरुवार की रात बिजली के शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई, जिससे पांच घर जलकर राख हो गए। इस हादसे में लाखों की संपत्ति जलकर स्वाहा हो गई। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार आग पहले श्यामबिहारी राम के घर में लगी, जबतक लोग आग पर काबू पाते आग की तेज लपटों ने बगल के रामलाल राम, संतोष राम, ललन राम और विकास राम के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई जबकि, आग की वजह से खूंटे से बंधे मवेशी भी झुलस गए। इसकी जानकारी अग्निशमक दल को दी गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंच आग बुझाने का प्रयास करता तबतक, आग से चार भैंस, तीन बकरियां, तीन साइकिलें और दो मोटरसाइकिल सहित पूरा घर जल चुका था। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया, जिससे अन्य घरों को जलने से बचाया जा सका। घटनास्थल पर पहुंचे पंचायत मुखिया जगलाल चौधरी ने जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी।

यौन उत्पीड़न के दोषी को संरक्षण देना बंद करे जिला प्रशासन व पुलिस: ऐपवा

डुमरांव। स्थानीय प्रखंड अंतर्गत हुए नाबालिक बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी शिवानंद तिवारी की गिरफ्तारी को लेकर भाकपा माले ने शहर में प्रतिवाद मार्च निकाला। प्रतिवाद माले कार्यालय से निकल कर स्टेशन रोड, गोला, शहीद गेट, पुराना थाना रोड होते हुए डुमरांव थाना के पास आकर सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता सोशल मीडिया के जिला प्रभारी एवं चौगाईं प्रखंड के सचिव धर्मेंद्र सिंह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए डुमरांव प्रखण्ड सचिव कन्हैया पासवान ने कहा कि एनडीए सरकार में बेटियां कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं, यही वजह है कि शहर से लेकर गांव तक की बेटी बहुओं पर दबंगों के द्वारा छेड़खानी और बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। ऐसी ही घटना डुमरांव के एक गांव में हुई, जहां के दबंग शिवानंद तिवारी ने नाबालिग बच्ची से बलात्कार की कोशिश किया। लड़की के चिल्लाने पर परिवार के लोग जुटे और 112 टीम को सूचना दी, इस बीच बलात्कारी को बचाने के लिए उसके रिश्तेदार दबंग मुखिया ने वहां के लोगों को धमकाते हुए भगा दिया। आंगनबाड़ी केंद्र में ही मुखिया ने पलंग लगा रखा है और खेती के समान रख कर कब्जा जमाया है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे किसके घर में पढ़ते हैं। मुखिया और नामजद अभियुक्त का उसी आंगनबाड़ी में इस तरह की घटनाओं का अंजाम दिया जाता है। वक्ताओं ने मांग किया कि प्रशासन को नामजद अभियुक्त को अविलंब गिरफ्तार किया जाए तथा संरक्षण देने वाले मुखिया को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र पर से मुखिया का कब्जा हटाया जाय और बच्चों की पढ़ाई आंगनबाड़ी में स्वतंत्र रूप से कराना सुनिश्चित किया जाय साथ ही पीड़िता सहित परिजनों की सुरक्षा की गारंटी हो। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाएं।

खबरें फटाफट

दियरांचल के गौरव थे राज नारायण मिश्र: प्रो. बलिराज

सिमरी। स्थानीय अंचल के केशोपुर निवासी पूर्व प्राचार्य राज नारायण मिश्र के निधन पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व वीकेएसयू के सिनेटर प्रोफेसर बलिराज ठाकुर ने गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। प्रो. ठाकुर ने राज नारायण मिश्र को दियारांचल का गौरव बताते हुए कहा है कि वे हिन्दी और अंग्रेजी साहित्य के गहन अध्येता और विद्वान थे। उनका सहज स्वभाव और मधुर बोली-व्यवहार से सभी प्रभावित थे। उनके सामाजिक सरोकार का क्षेत्र विस्तृत था। उनकी दिवंगत आत्मा की शांति व सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

गर्म हवाओं से जनजीवन प्रभावित

डुमरांव। पिछले दो दिनों से चल रही तेज हवाओं के कारण जन जीवन प्रभावित होने लगा है। शुक्रवार को भी पूरे दिन तेज रफ्तार हवाएं चलीं। जिस कारण तापमान भी तेजी से बढ़ा तथा लोगों को तपन महसूस हो रही थी। मार्च महीने में तेज रफ्तार की हवा चलता देख मौसम के जानकार भी हैरान हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस बार मौसम काफी तल्ख होगा तथा भीषण गर्मी पड़ेगी।

सड़क दुर्घटना के बाद मॉब लिंचिग से पुलिस ने चालक को बचाया, कराया इलाज

हादसा: तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत, लोगों ने चालक को पीटा

- घटना के बाद आक्रोशितों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन
- परिजनों ने प्राथमिकी के लिए नहीं दिया कोई भी आवेदन, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के इटाढ़ी थाना क्षेत्र के कुकुढा गांव के समीप सरेंजा-कुकुढा मार्ग पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक किशोर को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। साथ ही, ग्रामीणों ने सड़क जाम भी कर दिया। वहीं, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह आक्रोशित भीड़ को शांत कर चालक को हिरासत में लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान कुकुढा गांव निवासी अजय कुमार के 12 वर्षीय बेटे अभिषेक कुमार के रूप में हुई। इस घटना की जानकारी होने पर घर मे कोहराम मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अभिषेक सड़क पार कर रहा था, तभी तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही इटाढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराया। पुलिस ने चालक को कब्जे में लेकर उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया गया। तथा ट्रक को जब्त कर लिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही घर मे कोहराम मच गया। वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

परिजनों ने नहीं दिया कोई आवेदन : इटाढ़ी थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया ट्रक के धक्के से एक 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। गुस्साएं ग्रामीणों ने चालक को पीट दिया। घटना की जानकारी पर पुलिस पहुंच चालक को ग्रामीणों को कब्जे से छुड़ाया और इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया तथा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आवेदन आते ही केस दर्ज किया जाएगा।

रात में बालू लदे ट्रकों को भी होता है परिचालन

ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। कई बार जाम में फंसने के डर से बालू लदे ट्रक रातभर चलते हैं। जिसको लेकर प्रशासन पूरी तरह से मौन है। वहीं, दिन में भी कई बार ट्रक व बड़े वाहनों का परिचालन होता है। जिससे लोगों में खौफ है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण सड़कों पर भारी परिचालन नहीं होता है, उसके बावजूद यहां सरपट ट्रक भगाए जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर लगाने और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

पुल से टकरा पलट गई स्कार्पियो, आधा दर्जन लोग जख्मी, सभी इलाजरत

केटी न्यूज/डुमरांव

सिकरौल थाना क्षेत्र के बेलहरी पुल के पास एक तेज रफ्तार स्कार्पियो अनियंत्रित हो पुल से टकरा कर पलट गई। इस घटना में स्कार्पियो सवार करीब आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद सभी को घर भेज दिया गया है। जख्मियों में स्थानीय थाना क्षेत्र के कजियां गांव निवासी अंजली देवी 35 वर्ष, नन्हकी देवी 60 वर्ष, परी कुमारी सात वर्ष समेत तीन-चार अन्य लोग शामिल है। सभी जख्मी एक ही परिवार के है।

मिली जानकारी के अनुसार ये सभी अपने गांव से स्कार्पियो रिजर्व कर पोंगाढ़ी धाम दुर्गा मंदिर में दर्शन पूजन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सिकरौल के पास स्थित बेलहरी पुल पर उनकी स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि, इस घटना में किसी को गंभीर चोटें नहीं आई है।

घर में शराब के भंडारण पर पुलिस ने की छापेमारी, शराब तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र में ईद, रामनवमी और चौती छठ पर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। रोहतास, कैमूर और उत्तर प्रदेश से सटे सीमावर्ती इलाकों में सख्ती बढ़ा दी गई है। एसपी के निर्देश पर लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिससे असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके।

इसी क्रम में, पुलिस को रामपुर गांव से गुप्त सूचना मिली कि विक्की राजभर (पिता संजय राजभर) के घर में अवैध शराब का भंडारण किया गया है। थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की, जिसमें 32 बोतल देशी एवं अंग्रेजी शराब बरामद हुई। आरोपी विक्की राजभर को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि शराब माफियाओं के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि गांव के चौकीदारों को विशेष रूप से सतर्क कर दिया गया है। वहीं, पर्वों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए चिन्हित शरारती तत्वों के खिलाफ धारा 107 के तहत नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

शराब से लदी चारपहिया वाहन जब्त दो धराए, 121 लीटर शराब बरामद

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के नया भोजपुर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर शराब की एक बड़ी खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस दौरान एक चारपहिया वाहन भी जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों तस्कर पटना के रहने वाले है।

एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली यूपी के बेयासी की तरफ से शराब की खेप लेकर तस्कर नया भोजपुर के रास्ते जाने वाले है, इस सूचना पर गजरांव मोड़ पर वाहन चेकिंग करने का निर्देश दिया गया। जिसके बाद अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम निर्धारित जगह पर मुश्तैद हो वाहन जांच करने लगी, तभी पुलिस को सामने से एक वेस्ट बंगाल नंबर की चारपहिया वाहन आती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखते ही उक्त वाहन का चालक वाहन घुमाकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उक्त वाहन के साथ ही उसमें सवार दो लोगों को धर दबोचा। पूछताछ में कार सवार लोग कुछ स्पष्ट जबाव नहीं दे सकें। जिसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली। इस दौरान कार की डिग्गी से कुल 14 पेटी, जिनमें 672 पीस टेट्रा पैक एट पीएम शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 120.96 लीटर थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। तस्करों की पहचान पटना के रमना रोड निवासी आजाद पिता उस्मान और बहादुर बाजार समिति रोड पटना निवासी रमना रोड प्रदीप कुमार पिता दयानंद के रूप में हुई है। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के जवही से शराब की खेप लेकर पटना जा रहे थे। पटना में ही इन्हें किसी तीसरे को शराब की डिलीवरी देनी थी।

बक्सर में नौ से 15 अप्रैल तक आयोजित होगा देवकीनंदन ठाकुरी जी महाराज का प्रवचन

आठ को बक्सर आएंगे देवकीनंदन ठाकुर

केटी न्यूज/बक्सर

विश्व शांति मिशन वृंदावन के सचिव विजय शर्मा ने गुरूवार को बक्सर में पूज्य देवकीनन्दन ठाकुर जी महाराज के द्वारा 9 से 15 अप्रैल तक आईटीआई मैदान बक्सर में प्रस्तावित 7 दिवसीय प्रवचन सप्ताह की तैयारी समिति के साथ कार्यक्रम स्थल व आवासीय स्थल का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने तैयारी समिति से जुड़े लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सबसे पहले आईटीआई मैदान का निरीक्षण कर एक मसौदा तैयार किया गया। उसके उपरांत हैलीपैड स्थल व पूज्य संतो के आवसीय परिसर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही गंगापुत्र त्रिदंडी स्वामी जी का दर्शन कर कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गई।

निरीक्षण के बाद विश्व शांति मिशन के सचिव विजय शर्मा तैयारी समिति के संयोजक विजय मिश्रा व प्रमुख कार्यकताओं के साथ बैठक कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

उन्होंने कहा कि पूज्य ठाकुर जी महाराज सनातन संस्कृति के उत्थान व प्रचार प्रसार के लिए देशभर में प्रवचन के माध्यम से जनजागरण कर रहे है। वे आम लोगों के बीच आम भाषा में लोगों को सनातन संस्कृति की अच्छाईयों व गहराईयों को बता उन्हें सनातन के प्रति जागरूक कर रहे है। बक्सर में यह आयोजन एक इतिहास रचने जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पूज्य देवकी नंदन ठाकुर जी का आगमन हेलीकॉप्टर के द्वारा 8 अप्रैल की संध्या में होगा। उसके बाद आवासीय परिसर में ठहराव होगा। अगले दिन जलयात्रा व कलश पूजन व कथा प्रारम्भ होगी। जिसके लिये रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग कलश यात्रा में सम्मिलित होना चाहते है, वे लोग अपना नाम समिति के माध्यम से सूचित कर दें। बक्सर के आलावे अन्य सीमावर्ती जिला व राज्यो से भी भक्त प्रवचन में आ रहे है। इस आयोजन के दौरान हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहेंगे, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजन स्थल पर जर्मन हैंगर तकनीक से विशाल पंडाल का निर्माण होगा और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पार्किंग, जलपान एवं सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान समाजिक कार्यकर्ता कल्लू राय, अभाविप के जिला संयोजक अविनाश पाण्डेय, निशांत राय, दीपक सिंह, गुडु सिंह, दरोगा तिवारी, रोहित मिश्र, आंशु राय, विकाश राय, सोनु राय, सौरभ तिवारी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा बिरला ओपन माइंड्स स्कूल

- बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस व वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट के द्वारा संचालित होगा स्कूलः प्रदीप राय

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के इटाढ़ी रोड में बने बिरला ओपेन माइंड्स स्कूल का भव्य उद्घाटन पांच अप्रैल को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां करेंगे। उद्घाटन समारोह सुबह 10.30 बजे आयोजित किया जाएगा।

इसकी जानकारी देते हुए वैष्णवी ग्रुप, बक्सर के चेयरमैन प्रदीप राय ने बताया कि बिरला ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस व वैष्णवी एजुकेशनल डेवलपमेंट के द्वारा संचालित यह स्कूल बक्सर में शिक्षा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा तथा शाहाबाद का गौरव बनेगा। उन्होंने बताया कि यह विद्यालय 12 एकड़ भूमि में बनाया गया है।

वहीं, उन्होंने बताया कि यह विद्यालय बक्सर में शिक्षा दान के साथ ही समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्ता के रूप में बिहार के राज्यपाल का आगमन होने जा रहा है। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, औरंगाबाद के पूर्व सांसद शुशील सिंह, झारखण्ड उच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस एस. एन पाठक, पूर्व डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय समेत कई अन्य गणमान्य उद्घाटन के मौके पर उपस्थित रहेंगे।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक ई. अंकुर राय ने बताया कि इस उद्घाटन का विद्यालय परिवार एवं समस्त जिलावासियों को बेसब्री से इंतजार था। बिरला ग्रुप के सुयोग्य शिक्षकों के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं पूर्णतः वातानुकुलित यह विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन के साथ ही नए सत्र 2025-26 की शुरूआत होगी, जिसमें विद्यालय को पूर्ण रूप से सीबीएसई द्वारा 12वीं तक की मान्यता प्राप्त हो जाएगी। नए सत्र में छात्रों के स्वर्णिम भविष्य को ध्यान में रखते हुए कक्षा 6 से ही आईआईआई एवं मेडिकल व एनआईआईटी की परीक्षाओं के लिए प्रिपेयर किया जाएगा। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए विद्यालय में स्थित बिरला स्पोर्ट्स अकादमी पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा, जिसमें बच्चों को हॉर्स राइडिंग, शूटिंग रंगे, स्विमिंग पूल, फुटबॉल, क्रिकेट, टेनिस और वॉलीबॉल का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एक नजर

11 सूत्रीं मांगो को लेकर भाकपा माले कार्यकताओं ने दिया धरना

सिमरी। भाकपा माले कार्यकताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना दिया। यह धरना जिला परिषद सदस्य केदार यादव के नेतृत्व में दिया गया। इस दौरान वक्ताओं ने बेरोजगारी, मंहगाई, बढ़ते अपराध को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा तथा 11 सूत्रीं मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। जिसमें उल्लेख किया गया हैं कि पचार्धारियों को दखल कब्जा दिलाने, भूमिहीनों को पर्चा देने, रैयती किसानों का परिमार्जन कर नाम चढ़ाने, गृह स्थल पर्चा एवं बासगीत का दखल दहानी कराया जाय, दर्जनों गांव जहां अभी तक सड़क निर्माण नहीं हुआ हैं, वहां सड़क निर्माण कराया जाय, किसानों के खेत तक बिजली पहुंचाया जाय, बिजली बिल में सुधार, केशोपुर पानी प्लांट का पानी जहां नहीं पहुंचा हो वहां पहुंचाया जाय, सिमरी बाजार में सब्जी भंडारण एवं टमाटर पर अधारित उद्योग का निर्माण, रामपुर मठिया के जमीन को अवैध बिक्री से रोका जाये, गर्मी के दिनों में बंद पड़े चापाकल की मरम्मत एवं नये जगहों पर चापाकल लगाने सहित कई अन्य मांग शामिल था। मौके पर अरविंद यादव, शिवशंकर यादव, गंगा सागर यादव, पारसनाथ यादव, टुनटुन यादव, परमात्मा यादव, शिव कुमार, कृष्णा यादव समेत भाकपा माले कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पीसीसी रोड बनाने में बरती जा रही है अनियमितता, दरकने लगी सड़क

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र में पीसीसी रोड, नाली, गली बनाने का काम हर वार्ड में लगा हुआ है। बहुत ऐसे रोड बन गए, लेकिन बनने से पहले प्राक्कलन का बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिस मोहल्ले में काम लगा है, उन्हें जानकारी तक नहीं है कि कहां से कहां तक रोड और नाली का निर्माण हो रहा है। यहां तक पीसीसी रोड में जो बालू, सिमेंट और गिट्टी का का प्रयोग करने से पहले उसकी मात्रा कितनी होनी चाहिए, उसका पालन नहीं हो रहा है। यही कारण है कि बनने के साथ ही रोड दरकने लगा है। अभी एक सप्ताह पहले नगर के वार्ड 20 जो सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के सामने बायी तरफ दर्जन भर नई बस्ती बसी हुई है। इन्हीं बस्तियों में जाने के लिये पीसीसी रोड बनाए गए हैं। सभी रोड में लगभग दरार पड़ गए हैं। कई रोड ऐसे बने हैं, जिसमें नाली का नामानिशान तक नहीं है। इन कॉलोनियों में शिक्षक नगर, राधिका नगर सहित अन्य कॉलोनी हैं, जिसमें पहले खेती होती थी। लिहाजा रोड बनाने से पहले मिट्टी गिराया गया है। मिट्टी तो गिरा दिया गया, लेकिन उस पर रोलर चलाकर बैठाया नहीं गया और उसी पर पीसीसी ढलाई कर दिया गया। मिट्टी को बगैर दबाए रोड बना दिये जाने और पीसीसर ढलाई के लिये जो सिमेंट और बालू की मात्र होनी चाहिए, उसका पालन नहीं किया गया है। लिहाजा रोड बीच से फटना शुरू हो गया है। जानकारों का कहना है कि जिस मिट्टी पर रोलर नहीं चलाया गया और पीसीसी ढलाई कर दिया गया, ज्यादा दिन तक टीक नहीं पाएगा। बरसात के दिनों में दरार से पानी भीतर जाकर मिट्टी को गलाना शुरू करेगा जिससे पीसीसी रोड टूटने लगेगा। इसके पहले भी वार्ड 23 और 24 में पीसीसी रोड का निर्माण हुआ था, जिसमें अनियमितता बरती गई थी, जिसे केशव टाइम्स से खबर चलाया था।

खबरें फटाफट

होल्डिंग टैक्स को ले नगरवासी देंगे धरना

डुमरांव। नगर परिषद डुमरांव द्वारा पूर्व से ही नगर विकास एवं आवास विभाग के नियमों की अवहेलना करते हुए कार्य किया जा रहा है, इसी में एक है कर निर्धारण करने का कार्य। इस कार्य प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं करने और संपति कर होल्डिंग टैक्स वसूलने का प्रयास, प्रत्येक माह आम सभा नहीं करने, दिये गए 28 सूत्री मांग पत्र जवाब नहीं देने को लेकर अनश्चित कालीन धरना दिया जाएगा। सामाजिक मंच के कार्यकताओं ने एक मांग पत्र नप ईओ मनीष कुमार को सौंपा। मांग पत्र सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रदीप शरण, बिनोद राय सहित अन्य शामिल रहे। मांग पत्र में इस बात का खुलासा किया गया है कि होल्डिंग टैक्स जो नप डुमरांव के द्वारा जनता से वसूला जाता है, उसमें सरकार के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। मनमाने ढंग से वर्ष 2016 से ही उसकी वसूली की जा रही है। मांग पत्र में कहा गया है कि पांच अप्रैल तक आम सभा की बैठक नहीं बुलाई जाती है तो समाजिक मंच अनिश्चितकालीन धरना देगा। ईओ मनीष कुमार का कहना है कि इन सभी बातों की जानकारी लेकर उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

पीएचईडी के जलमीनार पर 11.5 लाख का बकाया

केसठ। बिजली बिल बकाया रहने पर विभाग ने स्थनीय पीएचईडी विभाग के जलमीनार की आपूर्ति काट दी है। जिस कारण क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। इस जलमीनार पर बिजली विभाग का 11.5 लाख रूपया बकाया था। बिजली विभाग के नोटिस पर जब पीएचईडी विभाग द्वारा बिजली बिल का भुगतान नहीं किया गया तो बिजली विभाग में उसका कनेक्शन काट दिया। जब लोगों के बीच आई तो लोग अचंभित हो गए की जो जल मीनार कल तक हमें पानी देता था, उस पर 11.5 लाख रुपए की बकाया राशि है। विभाग की इस सख्ती पर अन्य जल मीनार के ठेकेदारों में हड़कंप मचा हुआ है। अगर पीएचडी विभाग के द्वारा इतनी बड़ी राशि का भुगतान जल्दी नहीं किया गया तो इस गर्मी में लोगों को पेयजल की समस्या होगी।

टीआरई 3.0 के शिक्षक अभ्यर्थियों को गृह जिला आवंटित करने की सरकार से की गई मांग

टीआरई-3.0 के अभ्यर्थियों से सौतेला व्यवहार कर रही सरकारः डॉ. सत्येंद्र

- विरोध मार्च निकाल शिक्षकों के प्रति राज्य सरकार के गलत नीतियों का किया गया विरोध

केटी न्यूज/बक्सर

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारत की जनवादी नौजवान सभा के नेता धीरेंद्र कुमार चौधरी व कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र ओझा की अगुवाई में टीआरई 3.0 के अभ्यर्थियों के समर्थन में एक विरोध मार्च निकाला गया। जिसका नेतृत्व कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र कुमार ओझा ने किया।

यह विरोध मार्च सिंडिकेट नहर से शहीद- ए- आजम भगत सिंह पार्क तक शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए पहुंचा। जिसके बाद वहीं पर एक आम सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस नेता डॉ. सत्येंद्र कुमार ओझा एवं रमेश राम ने संयुक्त रूप से किया तथा मंच संचालन युवा कांग्रेस जिला महासचिव रमेश राम, अजय कुमार ओझा एवं बिहार युवा प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सत्येंद्र ओझा ने कहा कि जिस प्रकार शिक्षक बहाली में सरकार और सरकार के अधिकारी आपाधापी एवं कंफ्यूजन में निर्णय ले रहे हैं, वह बिहार की छवि को लगातार धूमिल कर रही है। सरकार की गलत नीतियों के कारण बिहार के युवा बेरोजगार रहने के लिए विवश हैं। आरक्षण का लाभ दूसरे राज्य के अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है। डोमिसाइल नीति लागू न करके सरकार तरह-तरह से अभ्यर्थियों के खिलाफ षड्यंत्र रच रही है। रोजगार के अभाव में बिहार के युवा पलायन के लिए मजबूर हो रहे हैं जबकि राज्य सरकार दूसरे प्रदेश के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ देकर उन्हें यहां नौकरियां प्रदान कर रही है।

ट्रांसफर पोस्टिंग में भी बड़े स्तर पर खेल हो रहा है : वहीं, दूसरी तरफ प्रधान शिक्षक, सक्षमता पास तथा अन्य शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग में भी बड़े स्तर पर खेल हो रहा है। उनकी पोस्टिंग की जा रही है परंतु एकमात्र टीआरआई 3.0 के अभ्यर्थियों को 300 से 500 किलोमीटर दूर जिला आवंटन किया गया है। जिनकी संख्या लगभग 75 प्रतिशत से ऊपर है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। धरना के दौरान धन्यवाद ज्ञापन इशांत त्रिवेदी प्रदेश महासचिव एनएसयूआई, वरिष्ठ कांग्रेस नेता त्रिलोकी मिश्रा, निहाल खान और महबूब आलम ने किया। मौके पर लकी जायसवाल, उमेश कुमार, संजय यादव, लालू कुमार, दिनेश राम, अखिलेश कुमार, प्रिंस कुमार सहित दर्जनों साथी उपस्थित रहे।

महिला शिक्षक अभ्यर्थियों को दूर दराज के जिला में भेज दिया गया

उन्होंने कहा कि शिक्षकों का जिला 300 से 400 किलोमीटर दूर होने की स्थिति में सरकार ने बेशर्मी से तीन प्रखंड चुनाव का ऑप्शन चुनने के लिए पत्र निकाला है कि अभ्यर्थी प्रखंडों का चुनाव आवंटित जिलों में चुनाव करें। बिहार के शिक्षक अभ्यर्थी ऊपापोह की स्थिति में है। जिस जिले से उनका कोई भी कम्युनिकेशन नहीं है उस स्थान को जानते नहीं तो फिर किस आधार पर वह अपने चॉइस का प्रखंड का चुनाव करें। बड़े स्तर पर महिला शिक्षक अभ्यर्थियों को दूर दराज के जिला में भेज दिया गया है। दिव्यांग और वे जिनके माता-पिता उन्हें पर आश्रित है, उनके परिवार की स्थिति को खराब करने के लिए यह काफी होगा कि उन्हें 300 से 400 किलोमीटर दूर घर से बेघर करके जिला आवंटन और प्रखंड आवंटन किया जाए सरकार से संगठन मांग करता है की हेड मास्टर है टीचर साक्षमता पास और 1.90 लाखे के तर्ज पर टीआरई - 3.0 के अभ्यर्थियों को भी अपने गृह जिला में आवंटन कर उन्हें प्रखंड चुनने का अवसर प्रदान किया जाए, ताकि वह मानसिक रूप से संतुलित होकर शिक्षण कार्य कर सकें तथा अपने सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों का निर्वाह कर सकें।

डुमरांव में मजबूत है कौमी एकता की जड़

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में कौमी एकता की जड़े काफी मजबूत रही है। इसे और मजबूत करने का प्रयास हम सभी को मिलकर करना है। इस इफ्तार पार्टी का आयोजन भी इसी उदेश्य से किया जा रहा है। उक्त बातें जनसुराज की वरिष्ठ नेत्री सह सुमित्रा महिला कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शोभा सिंह ने कही। शुक्रवार को उन्होंने अपने अवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया था, जिसमें दोनों संप्रदाय के सैकड़ों लोग शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों व धर्मों के लोगों को मिलकर रहना चाहिए। जन सुराज मुद्दों की राजनीति करती है तथा युवाओं, महिलाओं व पढ़े लिखे लोगों को तरजीह दे रही है। जिससे प्रभावित होकर ही मैंने जनसुराज ज्वाइन किया। समाज में समरसता कायम करना तथा शिक्षा व रोजगार को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है तथा इस लक्ष्य के तहत काम शुरू कर दिया गया है। इस मौके पर जनसुराज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती, महिला विंग की अध्यक्ष अंशु श्रीवास्तव, बक्सर जिलाध्यक्ष जयराम सिंह, महासचिव अरविंद पांडेय समेत दोनों संप्रदाय के सैकड़ो लोग मौजूद थे।

डॉक्टरों की हड़ताल से बैरंग लौट रहे हैं मरीज

डुमरांव। भासा के आह्वान पर सरकारी डॉक्टरों का हड़ताल लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान सभी सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवा ठप रही। सिर्फ इमरजेंसी में ही मरीजों का इलाज हुआ। इस दौरान सैड़को मरीजों को इस भीषण मौसम में बिना इलाज कराए या तो वापस घर लौटना पड़ा या फिर निजी अस्पतालों में आर्थिक शोषण कराने को मजबूर होना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में भी पूरे दिन स्वास्थ्य सुविधाएं ठप रही। जिस कारण बड़ी संख्या में मरीज व उनके परिजन परेशान हुए। अनुमंडलीय अस्पताल में शुक्रवार को इलाज कराने आने वाली मनोरमा देवी, बुधिया देवी, मनीषा कुमारी, अंजली, मनोज सिंह, बबन प्रसाद सरीखे मरीजों का कहना है कि डॉक्टरों की हड़ताल के कारण ओपीडी सेवा का लाभ नहीं मिल सका।

एमडीजे पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

इंडोर एवं आउटडोर समेत 36 प्रकार के खेलों में हिस्सा लेंगे नर्सरी से 9वीं तक के विद्यार्थी

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के एमडीजे पब्लिक स्कूल शुक्रवार से तीन दिवसीय 16वां वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के निदेशक डॉ नंद कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के खेल मैदान पर अपने अपने हाउस के ध्वज के पहुंचे।

इस प्रतियोगिता में इंडोर एवं आउटडोर सहित कुल 36 प्रकार के खेलों का आयोजन होगी। जिसमें 100 मी. रेस, 200 मी रेस 500 मी रेस, 1000 मी रेस, स्पून रेस, जलेबी रेस, सैक रेस, थ्री लैग रेस, सुई धागा रेस, मैथमेटिकल रेस, रिले रेस, स्लो साइकिल रेस,चेयर रेस, लॉन्ग जंप, हाई जंप, क्रिकेट,कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, खो खो, जैवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, लूडो, चेस, कैरमबोर्ड इत्यादि प्रमुख है। इस खेलकूद प्रतियोगिता में नर्सरी से लेकर कक्षा 9 तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया है।

प्रतियोगिता के प्रथम चरण में आज क्वार्टर फाइनल, शनिवार सेमी फाइनल तथा 30 मार्च दिन रविवार को रंगारंग कार्यक्रम के रूप में आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ नंद कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि की खेल भी पढ़ाई का एक अभिन्न हिस्सा है। खेलने से बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास तो होता ही है साथ ही साथ उनमें बौद्धिक क्षमता का भी स्तर बढ़ता है। हमारे विद्यालय में प्रत्येक वर्ष अंतर विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित होती है। जिसमें इस विद्यालय में पढ़ने वाले लगभग सभी छात्र-छात्रा बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र एवं विजयी प्रतिभागियों को स्वर्ण पदक, रजत पदक, कांस्य पदक, प्रशस्ति पत्र तथा नकद पारितोषिक भी देकर उन्हें पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जाता है। मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मी मौजूद थे।

सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के पनवारी गांव के पास हुई घटना

भोजपुर में दो बाइक की सीधी टक्कर, स्नातक छात्र की मौत

- मृतक छात्र चौरी थाना क्षेत्र के कोशियर गांव का है मूल निवासी
- युवक खरीदारी करने बाइक पर सवार होकर सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के मोपती बाजार आया था

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के पनवारी गांव स्थित हाई स्कूल के समीप सड़क हादसे में स्नातक के एक छात्र की मौत हो गई। गुरुवार की शाम दो बाइक की टक्कर में जख्मी छात्र ने इलाज के दौरान पटना के एक निजी अस्पताल में शुक्रवार की सुबह दम तोड़ दिया। मृतक छात्र की पहचान चौरी थाना क्षेत्र के कोशियर गांव निवासी शंकर महतो का 22 वर्षीय पुत्र मिथिलेश कुमार के रूप में हुई है। मृतक युवक स्नातक पार्ट वन का छात्र था। उसके रिश्ते के भाई सत्येंद्र कुमार ने बताया कि गुरुवार की शाम वह खरीदारी करने बाइक पर सवार होकर सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के मोपती बाजार गया था। वहां से वह घर लौट रहा था। उसी दौरान पनवारी गांव स्थित हाई स्कूल के समीप सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गयी। वहीं इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक सड़क किनारे गंभीर रूप से चोटिल होकर गिरा था। उसके सिर पर गहरी चोट आई थी। पहले उसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। परंतु बाद में उसके कपड़ों से उसका पहचान प्रमाण पत्र बरादम हुआ था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची डायल 112 नंबर वाहन से उसे इलाज के लिए पीरो अस्पताल ले जाया गया था। वहां इलाज के बाद उसे आरा सदर अस्पताल और बाद में पटना रेफर किया गया था। पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर गांव ले आए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जा रहा है कि मृत छात्र पांच भाई और एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां शिला देवी, भाई राजू ,सोनू ,संतोष, धनी लाल और बहन शोभा देवी हैं। हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है। मां शीला देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा रेलवे स्टेशन से बेहोशी की हालत में मिले युवक की मौत

आरा। स्थानीय रेलवे जंक्शन से बेहोशी की हालत में मिले युवक की मौत हो गई। इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। मृत युवक की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र 35 वर्ष बतायी जा रही है। बीमारी के कारण मौत होने की बात कही जा रही है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर रेल पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात युवक आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर बेहोशी की हालत में पड़ा था। इसके बाद रेल पुलिस की ओर से देर रात उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार की सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार युवक की मौत बीमारी के कारण इलाज के क्रम में होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

सूबे के सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की हड़ताल का लोकसभा में उठा मुद्दा

- सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा... सरकार जनता के स्वास्थ्य अधिकार को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों के मांगों का समाधान करें

केटी न्यूज/आरा

लोकसभा में सांसद सुदामा प्रसाद ने बिहार में चल रहे सरकारी डॉक्टरों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार के डॉक्टरों ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में ओपीडी सेवाओं के बहिष्कार का आह्वान किया है। राज्य भर के जिला अस्पतालों, जैसे आरा, सासाराम और अन्य जिलों में कई ओपीडी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। डॉक्टरों का दावा है कि सरकार द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति के नाम पर कई डॉक्टरों के वेतन महीनों से रोके गए हैं, जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह, डॉक्टर अतिरिक्त सुरक्षा, गृह जिला में पदस्थापन और अन्य मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं।उन्होंने ने कहा कि हालांकि आपातकालीन सेवाएं प्रभावित नहीं हुई हैं, लेकिन आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि 29 मार्च तक वे ओपीडी सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। उन्होंने सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की और कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डॉक्टरों की मांगों के समाधान के साथ-साथ आम जनता के स्वास्थ्य अधिकार भी प्रभावित न हो।

जुलूस में डीजे बजाने पर होगी कार्रवाई, 127 साउंड सिस्टम जब्त

आरा। ईद-उल-फितर और राम नवमी के अवसर डीजे बजाना महंगा पड़ेगा। डीजे बजाने वालों के खिलाफ पुलिस की ओर से कार्रवाई की जायेगी। शांति और विधि-व्यवस्था बहाल रखने को लेकर डीजे भी जब्त कर रही है। जिले में अब तक 127 डीजे जब्त किए गए हैं। एसपी राज के अनुसार विभिन्न थाना क्षेत्र से अबतक 127 डीजे जब्त किए गए हैं। बड़हरा थाना पुलिस की ओर से आठ, चांदी और गजराजगंज थाना पुलिस नेपांच-पांच डीजे जब्त किये गये हैं। वहीं, नारायणपुर और संदेश थाने ने कुल छह डीजे जब्त किये गये हैं। एसपी ने ईद और रामनवमी जुलूस में डीजे बजाने बजाने से बचने की अपील की गई है।

जदयू के बड़बोले विधायक गोपाल मंडल पर प्राथमिकी दर्ज

पटना। जेडीयू के बड़बोले और हमेशा विवाद में रहने वाले भागलपुर के विधायक गोपाल मंडल अश्लील गीत पर झुमने के मामले में बुरी तरह अब फंस गये हैं। होली मिलन में अश्लील गानों की वजह से उनपर यह कार्रवाई हुई है। जानकारी एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने दी है। उन्होंने बताया कि बेल मिल जाने वाले धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। यदि गोपाल मंडल बेल नहीं लेते हैं तो उनकी परेशानी बढ़ सकती है। साथ ही साथ गोपाल मंडल को जेल भी जाना पड़ सकता है। मुख्यालय एडीजी कुंदन कृष्णा ने कहा कि अश्लील गाना बजाने को लेकर बिहार पुलिस मुख्यालय का कड़ा संदेश है।

बोले नित्यानंद... लालू हो गए हैं औरंगजेब के दोस्त

केटी न्यूज/गोपालगंज

बिहार की राजनीति में चुनावी हलचल तेज हो चुकी है। शुक्रवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय गोपालगंज के फुलवरिया पहुंचे। जहां उन्होंने 30 मार्च को गृह मंत्री अमित शाह की होने वाली सभा की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला और उन्हें औरंगजेब का दोस्त करार दिया। नित्यानंद राय ने कहा कि लालू यादव को रामायण, गीता जैसे पवित्र ग्रंथों से कोई प्रेम नहीं है, बल्कि वह इन्हें जलाने की बात करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजद के विधायक मां दुर्गा को गाली देते हैं और उनकी पार्टी सनातन धर्म पर लगातार प्रहार कर रही है। उन्होंने कहा कि सियाराम का जयघोष लालू यादव को पसंद नहीं आता, लेकिन सनातन पर कितना भी हमला हो, इसे मिटाया नहीं जा सकता। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि सनातन धर्म हमारी आत्मा में बसा है और इसे हमसे कोई अलग नहीं कर सकता। उन्होंने बीजेपी कार्यकताओं से 30 मार्च को गोपालगंज पुलिस लाइन में आयोजित गृह मंत्री अमित शाह की सभा को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से अपील की कि अपने-अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में लोगों को इस सभा में लेकर आएं, ताकि यह कार्यक्रम अभूतपूर्व रूप से सफल हो सके।अपने संबोधन में नित्यानंद राय ने राम मंदिर आंदोलन की याद दिलाते हुए कहा कि कुछ लोग लालकृष्ण आडवाणी के रथ को रोकने चले थे, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि गोपालगंज से सीतामढ़ी में बनने वाले सीता मैया के भव्य मंदिर का जयघोष होगा। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही सीता मंदिर निर्माण का प्रण ले चुके हैं और अब गोपालगंज से यह संकल्प और मजबूत होगा।

पांच दिवसीय नेशनल चैंपियनशिप आंध्र प्रदेश के गुंटूर में हो रही है आयोजित

भोजपुर के तीरंदाजों ने गुंटूर में चमकाया नाम, समर्थ कुमार ने जीता सिल्वर मेडल

केटी न्यूज/आरा

बिहार तीरंदाजी टीम के प्रतिनिधत्व करते हुए एक बार फिर भोजपुर का नाम गौरवान्वित किया। 14 वीं एनटीपीसी चेराकूरी वोल्गा मेमोरियल आर्चरी मिनी 415 नेशनल चैंपियनशिप गुंटूर आंध्र प्रदेश में आयोजित हो रहा है। यह 25 से 30 मार्च तक प्रतियोगिता चलेगी। बिहार तीरंदाजी टीम में भोजपुर जिले के भोजपुर तीरंदाजी अकादमी से 7 खिलाड़ी और निपु स्पोर्ट्स फाउंडेशन से एक खिलाड़ी रॉक सिंह भाग लेने के लिए गए हुए हैं समर्थ कुमार प्रिंस राज रॉक सिंह आयुष कुमार संस्कृति कुमारी खुशबू कुमारी साक्षी कुमारी सुमन कुमारी ने भाग लिया है। जिसमें मैच के पहले दिन में समर्थ कुमार का मैच था और मैच के पहले ही दिन शामर्थ को सिल्वर मेडल रैंकिंग राउंड में प्राप्त हुए अगला इंडिविजुअल मैच 29 तारीख को ओलंपिक राउंड का मैच होगा। उसमे भी कोच नीरज सिंह का उम्मीद हैं की अभी और मेडल अगले दिन आयंगे साथ में प्रिंस कुमार भी ओलंपिक ग्राउंड के लिए क्वालीफाई किए हैं और इंडिया राउंड बालिका और बालक खिलाड़ियों का मैच से होना है बताते चले की ये समर्थ पहले भी दो स्कूल नेशनल में मेडल लिए और इसी साल जूनियर नेशनल में भी सिल्वर मेडल प्राप्त किए थे इनके कड़ी मेहनत और लगन को देखकर लग रहा है यह बहुत ही आगे तक अपने जिले एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे इन मेडल के बारे में सुनकर खिलाड़ियों में काफी उत्साह है मेरे दिल की खुशी और बधाई देने वालों की तादाद लगा। डिप्टी डायरेक्टर बिहार राज खेल विभाग संजय कुमार, संजीव कुमार सिंह, डाक्टर रामप्रसाद सिंह राजकिशोर सिंह, कौशल सिंह सरोज सिंह, विमलेश ओझा, हरिओम सिंह छोटू ओझा रामप्रसाद सिंह, डॉ विजय गुप्ता, यशवंत नारायण सिंह, गुड्डू सिंह बबुआन, रजनीश पाठक, मुकेश कुमार कुमार, विजय धनंजय बबुवान, कुंदन राज इत्यादि इसकी जानकारी भोजपुरी तीरंदाजी अकादमी के कोच सह संस्थापक नीरज कुमार सिंह ने दी।

संक्षिप्त समाचार

जादूगोड़ा : यूसिल ने बच्चों के बीच 250 बैडमिंटन रैकेट किये वितरित

जमशेदपुर, एजेंसी। यूसिल ने नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट के डिप्टी मैनेजर स्टेलिन हेंब्रम की अगवाई में पांच उत्क्रमित उच्च विद्यालयों में 250 बच्चों के बीच बैडमिंटन रैकेट बांटे। इसका उद्देश्य भारत सरकार के खेलों इंडिया अभियान को गति देना है। राजदोहा उत्क्रमित उच्च विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापक अनुपमा कुमारी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी है। उन्होंने बच्चों की सक्रियता की सराहना की और यूसिल की पहल का समर्थन किया। कंपनी के डिप्टी मैनेजर एस आर हेंब्रम ने बताया कि बैडमिंटन रैकेट वितरण कार्यक्रम कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत किया गया। क्षेत्र के पांच स्कूलों खुखड़ाडीह, सिद्धू-कान्हु मेमोरियम हाई स्कूल कैडो, उत्क्रमित उच्च विद्यालय राजदोहा, डोमजुडी और शंकर दा में 50-50 बैडमिंटन रैकेट बांटे गये। इस मौके पर डिप्टी मैनेजर एस आर हेंब्रम, सहायक प्रशासनिक अधिकारी डी एन सिंह, बाल कृष्ण मिश्रा और गाजिया हांसदा भी मौजूद थे।

पलामू: श्री राम सेना के जेनरल अध्यक्ष बने टाइगर कुमार चंद्रवंशी

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के सदर प्रखंड के सुआ कौड़िया के श्रीराम सेना का जेनरल अध्यक्ष के पद के लिए टाइगर कुमार चंद्रवंशी चुन लिए गए हैं। सदर प्रखंड के सुआ कौड़िया के प्रसिद्ध रामनवमी को लेकर ग्रामीणों ने बैठक की। बैठक में निर्विरोध टाइगर कुमार चंद्रवंशी चुने गए। बैठक में रामनवमी पूजा को भव्य तरीके और धूमधाम के साथ मनाने और शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी शोभायात्रा निकालने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया है कि मुख्य अतिथि के रूप में डाल्टनगंज के विधायक आलोक कुमार चौरसिया शामिल होंगे। जेनरल अध्यक्ष टाइगर कुमार ने बताया कि वे सदर प्रखंड के सुआ, कौड़िया और चियांकी का रामनवमी उत्सव और भी भव्य तरीके से आयोजित करेंगे। उन्होंने रामनवमी की पारंपरिक गरिमा को बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही नशामुक्त रामनवमी मनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह जीत सदर प्रखंड के सभी राम भक्तों की जीत है। रामनवमी संरक्षण समिति और श्री राम सेना के हृदया सिंह, प्रेम प्रकाश ठाकुर, अजय चौधरी सुबोध कुमार, अनूप सिंह मुकेश पांडे नया जेनरल टाइगर कुमार चंद्रवंशी को शुभकामनाएं दीं उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

बाबूलाल ने बालू संकट पर चिंता जतायी, कीमत में बेतहाशा इजाफा को संगठित अवैध कारोबार का नतीजा बताया

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बालू की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने लिखा कि राज्य में बालू के लिए हाहाकार मचा हुआ है और आम जनता की जेब से मनमानी कीमत वसूली जा रही है। मरांडी ने बताया कि रांची में निर्माण कार्य के लिए इस्तेमाल होने वाला बालू मुख्यत सिल्ली, बुंडू और सोनाहातू से लाया जाता है। बालू घाट से निकलने पर इसकी कीमत लगभग 5,000 रुपये होती है। लेकिन रांची पहुंचते-पहुंचते कीमत 45,000 के पार चली जाती है। बाबूलाल ने इस 60 किमी की दूरी में बालू की कीमत में नौ गुना इजाफे को एक संगठित अवैध कारोबार का नतीजा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवैध कारोबार में मुख्यमंत्री, खनन माफिया, ट्रांसपोर्टर, अधिकारी और दलालों का गठजोड़ शामिल है। बालू घाट पर अवैध एंट्री, परिवहन के दौरान अवैध पासिंग और ब्लैक मार्केटिंग के माध्यम से भारी रकम वसूली जा रही है। झारखंड में लगभग 440 बालू घाटों में से केवल 31 कानूनी रूप से संचालित हैं, जिसके कारण आम आदमी को महंगे दामों पर बालू खरीदना पड़ रहा है। मरांडी ने इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) से अपील की है कि वे झारखंड में चल रहे हजारों करोड़ के अवैध बालू कारोबार तंत्र को ध्वस्त करें, ताकि आम जनता को सस्ती कीमत पर पर्याप्त बालू उपलब्ध हो सके और राजस्व के नुकसान को कम किया जा सके।

अब नहीं चलेगी निजी स्कूलों की मनमानी, सरकार ने जारी किया निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड के निजी स्कूलों के शुल्क निर्धारण को लेकर स्कूल और जिला स्तर पर कमेटी का गठन होगा. इस संबंध में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने सभी आयुक्त व उपायुक्त को पत्र लिखा है. जिलों को भेजे गये पत्र में झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के आलोक में शुल्क समिति का गठन करने को कहा गया है. अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप 15 दिनों के अंदर विद्यालय स्तर पर शुल्क समिति व जिलास्तर पर जिला समिति का गठन करने को कहा गया है. इस संबंध में शिक्षा विभाग को भी जानकारी देने को कहा गया है.

अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप शुल्क निर्धारण को लेकर पहले विद्यालय स्तर पर गठित कमेटी के समक्ष इसका प्रस्ताव रखना होता है. कमेटी फीस वृद्धि के विभिन्न कारणों पर विचार करेगी. इसमें विद्यालय में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधा, प्रशासन और रख-रखाव पर होने वाले खर्च, शिक्षक और कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, विद्यालय की कुल आय में से विद्यार्थियों पर होनेवाला खर्च, शिक्षा के विकास और विद्यालय के विस्तार के लिए आवश्यक राजस्व समेत अन्य आवश्यक कारक को ध्यान में रखने का प्रावधान अधिनियम में है. समिति प्रस्तावित शुल्क की संरचना प्राप्त होने के 30 दिन के अंदर फीस की मंजूरी देगी.

विद्यालय स्तर पर शुल्क निर्धारण के लिए गठित कमेटी में बच्चों के अभिभावक के साथ शिक्षक भी शामिल होंगे. प्रावधान के अनुरूप निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि कमेटी के अध्यक्ष होंगे. विद्यालय के प्राचार्य, सचिव, विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत तीन शिक्षक व शिक्षक संघ द्वारा नामित चार माता-पिता इसके सदस्य होंगे. विद्यालय प्रबंधन को फीस निर्धारण के एजेंडा और बैठक की जानकारी एक सप्ताह पहले देना होगा. विद्यालय समिति अगर तय समय में शुल्क निर्धारण में विफल रहता है तो प्रबंधन यह प्रस्ताव जिलास्तरीय कमेटी के समक्ष रखेगा. विद्यालय में अगर पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी से अधिक फीस बढ़ोतरी की जाती है, तो भी इसको जिला कमेटी को भेजा जायेगा.

जिलास्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी. कमेटी में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, निजी विद्यालय के दो प्राचार्य, संबंधित क्षेत्र के सांसद और विधायक, दो अभिभावक और एक चार्टर्ड एकाउंटेंट शामिल होंगे. विद्यालय अगर जिलास्तरीय कमेटी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है, तो प्रमंडलीय आयुक्त के समक्ष इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं.

मार्च में ही गर्मी से हाल बेहाल, 40 के करीब पहुंचा पारा, जानें आज कैसा रहेगा मौसम

रांची, एजेंसी। झारखंड में बारिश का दौर थमने के बाद से ही आसमान से आग के गोले बरस रहे हैं. मार्च के महीने में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब हो चला है. मौसम विभाग की मानें तो मौसम में अभी कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. आज भी लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है. इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री के करीब या इसके पार जा सकता है.

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो अभी न तो झारखंड में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर नहीं दिख रहा है. न ही राज्य के आसपास के इलाकों में किसी तरह का सिनॉप्टिक फीचर. बारिश की संभावना नहीं है. ऐसे में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी. मौसम में अगले दो दिनों के दौरान कोई बड़े बदलाव के आसार नहीं है. इसके बाद अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है.

वहीं, अगर हम बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो सबसे अधिकतम तापमाप पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में 39.0 डिग्री सेल्सियस देखने को मिला. जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान खूंटी में 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसके अलावा आज कोल्हान के कई इलाकों के साथ साथ सिमडेगा में अधिकतम तापमान 40 के पार जा सकता है. इसके अलावा रांची, खूंटी, गुमला, रामगढ़ हजारीबाग, चतरा, गढ़वा पलामू समेत कई जिलों का पारा 38 से 39 डिग्री के बीच रहेगा.

गांव की महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिला सरकारी शिक्षक, ग्रामीणों ने बनाया बंधक

गढ़वा, एजेंसी। जिले के खरौंधी थाना क्षेत्र में उस समय हंगामा मच गया जब ग्रामीणों ने एक सरकारी शिक्षक को एक घर में बंधक बना लिया। दरअसल ग्रामीण ने शिक्षक को एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया, जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया।

ग्रामीणों ने शिक्षक को बनाया बंधक : गौरतलब है कि गढ़वा जिले के खरौंधी थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुंडी के शिक्षक नगीना राम को जब उसी गांव की एक महिला के साथ घर के एक कमरे में पाया गया तो स्थानीय ग्रामीणों ने हंगामा मचा दिया और शिक्षक को घर में बंद कर दिया। हंगामा बढ़ता देख स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और हंगामा शांत कराने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस की एक नहीं सुनी।

पुलिस को झेलना पड़ा ग्रामीणों का आक्रोश : थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों द्वारा घर में बंधक बनाए गए शिक्षक को छुड़ाया और थाने ले गए। थाने ले जाने के दौरान ग्रामीणों और महिलाओं ने पुलिस वैन को रोक दिया और जमकर हंगामा किया। हंगामा

करने के बाद ग्रामीणों ने भवनाथपुर-खरौंधी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इसके बाद शिक्षक को पुलिस को ग्रामीणों के हवाले करना पड़ा, तब जाकर जाम हटा।

इस बीच थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी ने मामले की जानकारी एसडीपीओ सतेंद्र नारायण सिंह को दी। इसके बाद भवनाथपुर इंस्पेक्टर गुलाब सिंह, खरौंधी पुलिस, भवनाथपुर थाना प्रभारी रजनी कांत मौके पर पहुंचे। इसके बाद जब शिक्षक नगीना राम और महिला को थाने ले जाया जा रहा था, तो ग्रामीणों ने फिर हंगामा किया। पुलिस की गाड़ी को भी रोक दिया गया।

काफी मशक्कत के बाद शिक्षक को थाने ले गई पुलिस : लोगों का कहना था कि शिक्षक पर फैसला गांव में ही होगा। इस बीच पुलिस हंगामे के बीच शिक्षक और महिला को सुरक्षित थाने लाने में सफल रही। मौके पर मौजूद महिलाओं ने कहा कि हम लोग यहां शिक्षक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, क्योंकि शिक्षक ने मर्यादा को तोड़ा है।

जिला परिषद सदस्य धर्मराज पासवान ने बताया कि ग्रामीणों ने सूचना दी थी कि एक शिक्षक को एक महिला के घर में आपत्तिजनक स्थिति में ग्रामीणों ने पाया था, जिसके बाद ग्रामीणों ने शिक्षक को बंधक बना लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचने के बाद देखा गया कि पुलिस पहले ही पहुंच गई और तत्परता दिखाते हुए उसे थाने ले गई।

कट्टरपंथी इस्लाम देश के लिए खतरा, वीएचपी राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने प्रशासन को भी दे दी चेतावनी

रांची, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा है कि जिस तरह जनजाति समाज की संस्कृति, उनकी परंपरा और रहन-सहन को समाप्त करने की रणनीति चल रही है, उसका आने वाले समय में भयंकर परिणाम होगा। मस्जिद के आगे से हिंदू समाज द्वारा जुलूस निकालने पर विरोध करना देश के लिए घातक है।

अब हिंदू समाज जाग चुका है, प्रतिकार करने लगेगा तो शासन-प्रशासन को संभालना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए विस्तारवादी चर्च और कट्टरपंथी इस्लाम से सभी को बचने की जरूरत है। वह गुरुवार को रांची के होटल ग्रीन एकर्स में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बंसल ने मुस्लिम युवाओं से भी आह्वान किया कि वे कट्टरपंथियों से सावधान रहें। समय रहते उनके चंगुल से बाहर निकल जाएं। ये लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए लोगों को भड़काने का काम करते हैं। उन्होंने मिशनरियों द्वारा संचालित चंगाई सभा पर प्रहार करते हुए कहा कि यहां की भोली-भाली जनता को ठगने के बजाय उन्हें पोप को जाकर ठीक करना चाहिए, जो महीनों से बीमार हैं।

उन्होंने पंजाब के पास्टर विजेंद्र को भी कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की, जो सेक्स रैकेट में फंसा हुआ है। उन्होंने कहा कि ये लोग अवैध रूप से मतांतरण में लगे हैं। अब इसका भी स्थानीय स्तर पर विरोध होने लगा है। वक्फ बोर्ड से संबंधित एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इसका विरोध वही मुस्लिम कर रहे हैं, जिनका निजी स्वार्थ सध नहीं रहा है। कई मुस्लिम नेता ऐसे हैं, जिन्होंने सैकड़ों एकड़ जमीन पर कब्जा कर रखा है।

बंसल ने कहा कि झारखंड जिहादखंड की ओर बढ़ रहा है। संताल की स्थिति तो खराब है ही। हजारीबाग, लोहरदगा, गिरिडीह जैसे शहरों में मुस्लिमों का उत्पात स्वस्थ समाज के लिए ठीक नहीं है। सरकार को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि ऐसा क्यों होता है कि हिंदुओं के हर त्योहार में मुस्लिम समाज के कट्टपंथियों द्वारा हंगामा किया जाता है। जहां मुस्लिमों की संख्या ज्यादा है वहां तो बवाल होता ही है, अब तो जहां कम है वहां भी बवाल होने लगा है। झारखंड में तो अब जनजाति समाज की लड़कियों से शादी कर राजनीति पर भी कब्जा करने की तैयारी चल रही है।

छह लोगों को आजीवन कारावास की सजा
अंधविश्वास के नाम पर हुई थी दो लोगों की हत्या

लोहरदगा, एजेंसी। साल 2015 में अंधविश्वास के नाम पर हुई दो लोगों की हत्या मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। इस मामले में 6 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही इन पर जुर्माना भी लगाया गया है। मामले को लेकर दो अलग-अलग ट्रायल चले, जिसमें एक सेशन ट्रायल में 5 और दूसरे सेशन ट्रायल में एक आरोपी को सजा हुई है।

दरअसल, अंधविश्वास, डायन-बिसाही के नाम पर दो लोगों की बर्बरता पूर्वक पीट-पीटकर हत्या मामले में अदालत में छह लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जबकि 11 आरोपियों को बरी किया गया है। आरोपितों को जुर्माना भी लगाया गया है। एडीजे टू नीरजा आशरी की अदालत ने फैसला सुनाया है। मामले में अपर लोक अभियोजक सुमन कुमार ने दलीलें पेश की। फिलहाल सभी जेल में हैं। मामला लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र का है। यह घटना 14 अगस्त 2015 की है।

इस घटना में लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के हुदू निवासी बुधराम भगत और मन्ना मुंडा की ग्रामीणों ने ओझा-गुणी का आरोप लगाकर पीट पीटकर हत्या कर दी थी। गांव में एक बच्चा अक्सर बीमार रहता था। इस बात को लेकर बच्चे के परिजन एक ओझा के पास गए। ओझा ने दो लोगों के नाम बताए थे। जिसके बाद बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने बुधराम और मन्ना मुंडा को पकड़कर एक स्थान पर ले जाकर पीट पीटकर हत्या कर दी थी। मामले को लेकर स्वर्गीय बुधराम भगत के बेटे जतन भगत के बयान पर कैरो थाना में अपराध संख्या 30/2015 दर्ज किया गया था।

अपर लोक अभियोजक सुमन कुमार ने बताया कि एसटी संख्या 208/2015 में अदालत ने बुधु उरांव के पुत्र कमल उरांव, सुधवा पाहन के पुत्र हरिचंद्र पाहन, चरवा मुंडा के बेटे सुखदेव मुंडा, स्वर्गीय मंगा उरांव के बेटे सोमरा उरांव, स्वर्गीय पथुआ उरांव के बेटे बुदु उरांव तथा एसटी संख्या- 100/2023 में स्वर्गीय मंगा मुंडा के बेटे चुमनु मुंडा सभी लोहरदगा जिला के कैरो थाना क्षेत्र के हुदू गांव के रहने वाले हैं।

सभी आरोपितों को भादवि की धारा 147 में दो साल व एक हजार जुर्माना, धारा 148 में तीन साल व एक हजार जुर्माना, धारा 341 में एक माह व 500 रुपए का जुर्माना, धारा 342 में एक साल व एक हजार का जुर्माना, धारा 323 में एक साल व एक हजार का जुर्माना, धारा 506 में 2 साल और 1 हजार का जुर्माना, धारा 302 में आजीवन कारावास व 10 हजार का जुर्माना तथा डायन-बिसाही प्रथा प्रतिषेध अधिनियम की धारा तीन में तीन माह और एक हजार जुर्माना व धारा चार में छह माह और एक हजार जुर्माना लगाया गया है।

धनबाद में पानी बिजली की मांग को लेकर लोगों का आंदोलन, गोविंदपुर कोलियरी में की अनिश्चितकालीन बंदी

धनबाद, एजेंसी। भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) एरिया 3 के ब्लॉक 04 गोविंदपुर कोलियरी में हिंदुस्तानी नागरिक गण के बैनर तले अनिश्चितकालीन बंद की घोषणा की गयी है। पानी, बिजली और जोरिया की साफ सफाई की मांग को हिंदुस्तानी नागरिक गण के बैनर तले कोरीडीह तिवारीडीह के सैकड़ों महिला और पुरुषों ने ब्लॉक चार पहुंच कर कार्य बंद करा दिया और अपनी मांग पर अड़े रहे।

स्थानीय अरुण कुमार दास ने बताया कि सालों से बीसीसीएल कोयले का खनन कर रहा है लेकिन स्थानीय निवासियों को पानी बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा है। बिजली का पोल और तार जर्जर अवस्था में हैं जो कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं।

स्थानीय संतोष कुमार स्वर्णकार ने कहा कि हिंदुस्तानी नागरिक गण ने दिसंबर माह में भी प्रबंधन को पत्र के माध्यम से मांग की थी। प्रबंधन ने तब समय की मांग कर समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया था। लेकिन प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सुगिया देवी ने कहा कि बीसीसीएल के आवास का गंदा पानी नाले के माध्यम से स्थानीय जोरिया में बहाया जा रहा है। जोरिया का पानी हमलोग नहाने और अन्य काम में लाते हैं। जिसमें गंदा पानी बहा कर गंदा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन तत्काल इसकी व्यवस्था कर जोरिया का जीर्णोद्धार करे।

मालती देवी ने कहा कि प्रबंधन की मनमानी रवैया के कारण स्थानीय लोग परेशान हैं। बिजली पानी भी नहीं मिलता है। हमलोगों का जीवन जानवर जैसा हो गया है। प्रबंधन हमलोगों को आदमी भी नहीं मानता है। हमलोग पानी के लिए तरस रहे हैं। प्रबंधन तत्काल पहल कर समस्या का समाधान करे।

देवघर में बीएड छात्राओं से भरे ऑटो को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, एक की मौत, पांच घायल

देवघर, एजेंसी। गोड्डा-देवघर पथ पर चौपा मोड़ से 50 मीटर पहले बीएड छात्राओं से भरे ऑटो में सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. इससे देवघर के डीपसर कॉलेज ऑफ एजुकेशन देवसंघ की बीएड सेकंड ईयर की एक छात्रा की मौत हो गयी. सड़क हादसे में ऑटो सवार पांच छात्राएं घायल हो गयी हैं. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतका की पहचान गोड्डा जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र के जोजो सिमरा गांव निवासी किरण मुर्मू (27 वर्ष) के रूप में हुई.

सभी बीएड छात्राएं लेशन प्लान की ट्रेनिंग कर मोहनपुर के बंका हाईस्कूल से वापस ऑटो से लौट रही थीं. इसी दौरान उनके ऑटो में तेज गति से गोड्डा की ओर जा रही कार ने टक्कर मार दी. सड़क हादसे में घायल छात्राओं को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. घटना की जानकारी मिलने पर डिपसर की प्राचार्या सहित अन्य स्टाफ सदर अस्पताल पहुंचे. मोहनपुर थाने की पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गयी है.

घायल छात्राओं में दुमका के हरिपुर निवासी प्रीति टुडू, बारापलासी निवासी सावित्री हेंब्रम, देवघर पानी टंकी के समीप निवासी नेहा ठाकुर, बिलासी निवासी निशा भारती और बिहार के भागलपुर जिले के सनहोला निवासी दृश्या वत्स शामिल हैं.

आदित्यपुर में होल्डिंग टैक्स बकायेदारों के पास आखिरी मौका, 3 दिन में जमा नहीं करने पर प्रॉपर्टी होगी कुर्क

आदित्यपुर (जमशेदपुर), एजेंसी। आदित्यपुर नगर निगम ऐसे भवन मालिकों पर कार्रवाई करने की तैयारी में है, जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक होल्डिंग टैक्स नहीं भरा है। निगम की ओर से ऐसे भवन मालिकों को आखिरी चेतावनी जारी की गई है।

निगम प्रशासक रवि प्रकाश के निर्देश पर निगम की राजस्व शाखा ने पूर्व के वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के बकायेदारों की सूची तैयार की है। सभी बकायेदारों को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए तीन दिनों के अंदर टैक्स भरने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय के अंदर टैक्स का भुगतान नहीं करने पर संबंधित भवन मालिकों के खिलाफ नगर पालिका अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई होगी। एक लाख रुपये से अधिक टैक्स बकाया रखने वाले भवन मालिकों का बैंक खाता फ्रीज किया जाएगा। साथ ही संबंधित

बकायेदारों को वारंट जारी करते हुए संपत्ति की कुर्की-जब्ती की जाएगी। टैक्स बकायेदार भविष्य में अपनी संपत्ति की बिक्री भी नहीं कर पाएंगे, क्योंकि बिक्री पर भी रोक लगा दी जाएगी। इस संबंध में निगम के अधिकारियों ने बताया कि राजस्व वसूली में तेजी लाने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है। जिन बकायेदारों को अंतिम नोटिस दिया गया।

उन्हें पहले भी तीन नोटिस दिए जा चुके हैं, लेकिन उन्होंने टैक्स नहीं भरा। इसलिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। होल्डिंग टैक्स के मद में निगम का लक्ष्य 10 करोड़ का था, जिसमें अभी तक 8 करोड़ 65 लाख रुपये की वसूली की गई है। अब अंतिम चार दिनों में लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

लोहरदगा में एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते हुए एक कंप्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है। यह कंप्यूटर ऑपरेटर लोहरदगा रजिस्ट्री कार्यालय में कार्यरत था। एसीबी की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। एसीबी की टीम गिरफ्तार किए गए कंप्यूटर ऑपरेटर को लेकर अपने साथ रांची चली गई है।

लोहरदगा जिला के बगड़ू थाना क्षेत्र के हिसरी गांव निवासी स्वर्गीय मोहिउद्दीन के पुत्र अलीमुद्दीन ने एसीबी रांची में लिखित शिकायत की थी। जिसमें अलीमुद्दीन ने कहा था कि उसकी निजी जमीन खाता संख्या 386, प्लाट संख्या 2850, कुल पांच डिसमिल जमीन हिसरी में है। इस जमीन का सत्यापित पट्टा निकालने को लेकर वह निबंधन कार्यालय गया था।

सुभाषितम्

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते। - स्वामी विवेकानंद

अन्य देशों में रह रहे हिंदूओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में 1 भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है। दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 को बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है। बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रिंयों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान। यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

भारत में गर्मी का जल्दी आना और लू का बढ़ना

- डॉ. सत्यवान सौरभ

इंट्रो- बढ़ते तापमान से कृषि, जल संकट, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। फरवरी में असामान्य रूप से अधिक गर्मी, रात के तापमान में वृद्धि, समुद्री तापमान का असर और शहरी हीट आइलैंड प्रभाव इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। इसका असर शिक्षा, श्रम उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है।

भारत में लू की घटनाएँ जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बढ़ रही हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है और यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे लू के रूप में परिभाषित किया जाता है। 2024 में भारत ने 554 लू के दिन अनुभव किए, जबकि 2023 में यह संख्या 230 थी। यह वृद्धि कृषि, जल उपलब्धता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, जिससे तत्काल शमन उपायों की आवश्यकता है।

फरवरी, जो आमतौर पर सर्दियों का महीना होता है, अब अत्यधिक गर्मी का अनुभव कर रहा है। ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फरवरी 2025 में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो जलवायु परिवर्तन की ओर इशारा करता है। उदाहरणः फरवरी 2025 में मुंबई ने 38.7 डिग्री सेल्सियस का तापमान दर्ज किया, जो पांच वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का दिन था। इसने दैनिक जीवन को बाधित किया और गर्मी से संबंधित बीमारियों में वृद्धि की। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार और तीव्र हीटवेव देखी जा रही हैं, जिससे जनसंख्या पर भारी दबाव पड़ रहा है। रात के तापमान में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सामान्य से 1त्उ अधिक रात का तापमान दर्ज किया गया, जबकि 22 राज्यों में 3त्उ-5त्उ की वृद्धि देखी गई। दिल्ली में 2024 में 74 वर्षों की सबसे गर्म फरवरी की रात दर्ज की गई, जिससे कमजोर वर्ग के लिए रिकवरी का समय कम हो गया। समुद्री हीटवेव अंतदेर्शीय तापमान को बढ़ाती हैं और मानसून के पैटर्न को प्रभावित करती हैं। 2023 में बंगाल की खाड़ी में समुद्री हीटवेव के कारण पूर्वी भारत में मानसून में देरी हुई और प्री-मानसून गर्मी बढ़ी। कंक्रीट संरचनाएँ, कम हरियाली और प्रदूषकों की उपस्थिति से शहरी क्षेत्रों में गर्मी अधिक रहती है। अप्रैल 2023 में अहमदाबाद के शहरी क्षेत्रों में तापमान आसपास के ग्रामीण

इलाकों से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक था। राज्यों के बीच समन्वय सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय अनुकूलन योजना में हीटवेव शमन को शामिल करना आवश्यक है। अहमदाबाद की हीट एक्शन प्लान (2013) हर साल 1190 मौतों को रोकने में मदद करता है। शहरी नियोजन में हरित इमारतों, निष्क्रिय शीतलन और गर्मी प्रतिरोधी सामग्रियों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। तेलंगाना की कूल रूफ नीति (2021) ताप-परावर्तक छतों को बढ़ावा देती है, जिससे इनडोर तापमान कम होता है। वृक्षारोपण, छत पर बागवानी और जल निकायों के संरक्षण से तापमान कम किया जा सकता है। दिल्ली की शहरी वन पहल ने कई हॉटस्पॉट में स्थानीय तापमान को 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कम किया। स्थानीय मौसम निगरानी, हीटवेव पूवार्नुमान और शहरी हीट आइलैंड मानचित्रण का विस्तार किया जाना चाहिए। कमजोर श्रमिकों के लिए हीट इंश्योरेंस, समायोजित कार्य घंटे और शीतलन आश्रय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। राजस्थान के हीट इंश्योरेंस पायलट (2023) ने अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों को वित्तीय मुआवजा प्रदान किया।

अत्यधिक गर्मी के कारण स्कूलों में गर्मी की छुट्टियाँ लंबी हो सकती हैं, जिससे पाठ्यक्रम पूरा करना मुश्किल हो जाता है। कई स्कूलों में पर्याप्त शीतलन व्यवस्था नहीं होती, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। परीक्षा के समय लू पड़ने से छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। अत्यधिक गर्मी के कारण श्रमिकों की उत्पादकता में कमी आती है, खासकर निर्माण, खेती और अन्य बाहरी कामों में। बिजली की खपत बढ़ने से ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है, जिससे बिजली कटौती बढ़ती है। हीटवेव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ती हैं, जिससे अस्पतालों पर दबाव बढ़ता है और स्वास्थ्य सेवा का खर्च बढ़ जाता है। झीलों, तालाबों और नदियों का जल स्तर तेजी से गिरता है, जिससे पेयजल की समस्या गहराती है। भूजल स्तर में गिरावट होती है, जिससे सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति प्रभावित होती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ती हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान होता है। गर्मी के कारण कई पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। गेहूं, धान और अन्य प्रमुख फसलों की पैदावार में गिरावट आती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। अत्यधिक गर्मी और जल संकट के कारण पशुपालन भी प्रभावित होता है।

अधिक गर्मी सहने वाली और कम पानी में पनपने वाली फसलों का विकास और उपयोग किया जाए। किसानों को माइक्रो-इरिगेशन तकनीक (टपक सिंचाई) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हरी छतें, जलाशयों और खुले हरे क्षेत्रों को बढ़ावा देना। सार्वजनिक स्थलों पर पेड़ों की छाया और वाटर स्प्रे सिस्टम लगाना। स्मार्ट शहरों में तापमान अनुकूलन तकनीकों को अपनाना। हीट-रेसिस्टेंट निर्माण सामग्री और ऊर्जा-कुशल डिजाइन को बढ़ावा देना। समुद्र के तापमान को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों को मजबूत करना। तटीय इलाकों में मैंग्रोव वनों को पुनर्जीवित करना, जो प्राकृतिक रूप से तापमान को संतुलित करने में सहायक होते हैं। यूरोप का हीट एक्शन प्लानः फ्रांस और स्पेन ने हीटवेव के दौरान कूलिंग सेंटर और सार्वजनिक अलर्ट सिस्टम लागू किए हैं। ऑस्ट्रेलिया का जल प्रबंधनः सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में जल संचयन और संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू की गई हैं। अमेरिका का ह्यग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरह्न प्रोग्रामः शहरी इलाकों में हरियाली और छायादार क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं। भारत में बढ़ती गर्मी और लू के प्रभावों को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, समाज और वैज्ञानिक समुदाय को मिलकर दीर्घकालिक समाधान विकसित करने होंगे। जलवायु अनुकूलन, स्मार्ट शहरी योजना, कृषि नवाचार और वैश्विक सहयोग से ही इस चुनौती से निपटा जा सकता है।

म्यांमार -थाईलैंड समेत हिल गई कई देशों की दुनिया!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

म्यांमार और थाईलैंड में दोपहर के समय आए भयंकर भूकंप को रिक्टर पैमान पर 7.9 की तीव्रता का नापा गया है। इतने तेज भूकंप के कारण दोनों ही देशों में भारी तबाही हुई है। इन देशों की विशाल इमारतें और पुल ढह गए और भारी जान माल का नुकसान हुआ।थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनवात्रा ने बैंकाक के अंदर आपातकाल की घोषणा की है। इस भूकंप का केंद्र म्यांमार बताया गया है। जिसका भारी प्रभाव थाईलैंड तक हुआ है। बैंकाक में वशिाल इमारत के ढहने से उसमें 43 लोग फंस गए हैं। आपातकालीन सेवाओं में जुटे कर्मियों का कहना है कि बैंकाक के चाटूचाक पार्क की इस इमारत के अंदर 50 लोग मौजूद थे। इस भूकंप की वजह से बैंकाक में अभी तक एक व्यक्ति के मरने की पुष्टि हो गई है, जबकि 50 लोग घायल हैं।म्यांमार में भी भारी तबाही हुई है। वहां मौजूद लोग चीखते-चिल्लाते हुए भागते नजर आ रहे हैं। बैंकॉक के ह्यचटुचक मार्केटह्न के पास स्थित घटनास्थल पर राहत एवं बचाव का कार्य किया जा रहा हैं । बैंकॉक में 7.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से इमारतें हिलने लगीं थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर को यह भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था, जिसका केंद्र म्यांमार में था। ग्रेटर बैंकॉक क्षेत्र की आबादी 170 लाख से अधिक है, जिनमें से कई लोग ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में रहते हैं।दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप आने पर इमारतों में अलार्म बजने लगे और घनी आबादी वाले मध्य बैंकॉक की ऊंची इमारतों एवं होटल से लोगों को बाहर निकाला गया। भूकंप इतना शक्तिशाली था कि कुछ ऊंची इमारतों के अंदरूनी हिस्सों में ह्यस्वीमिंग पूलह्न में पानी में लहरें उठती दिखीं। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है।थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए जहां सैंकड़ो लोग इमारतों से बाहर निकल आए। हालांकि जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि म्यांमार में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मंडाले शहर के पास 10 किमी की गहराई पर था। म्यांमार दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, असम और नागालैंड राज्यों में आज आए भूकंप से लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए।वही

दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में विगत 17 फरवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए थे,जिसमे कई सेकंड तक धरती डोलती रही थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई थी, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया था, जिससे लोगों की नींद उड़ गई थी।

भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक्का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है। भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल्मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे।

हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नही हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।

डिजिटल भारत में विचारों की बेड़ियां

- प्रियंका सौरभ

इंट्रो- सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्मों की निगरानी, सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश और आईटी नियम 2021 ने डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित किया है। सेंसरशिप और आत्म-नियमन से प्लेटफार्म अधिक सामग्री हटाने लगे हैं, जिससे विचारों की विविधता प्रभावित होती है। झूठी सूचनाओं और साइबर अपराधों को रोकने के लिए कुछ हद तक नियमन आवश्यक है। धारा 79 डिजिटल मंचों को मध्यस्थ सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन हालिया सरकारी हस्तक्षेप ने इस सुरक्षा को चुनौती दी है। सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्मों पर निगरानी, सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश, और आईटी नियम 2021 का कड़ा अनुपालन डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर रहा है। सेंसरशिप और आत्म-नियमन के भय से प्लेटफार्म अधिक सामग्री हटाने लगे हैं, जिससे विचारों की विविधता प्रभावित होती है। हालांकि, झूठी सूचनाओं और साइबर अपराधों को रोकने के लिए कुछ हद तक नियमन आवश्यक है। इसीलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्लेटफार्म जवाबदेही के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। भारत को यूरोप के डिजिटल सर्विसेज एक्ट और अमेरिका के सेक्शन 230 जैसे संतुलित मॉडल से सीख लेकर, एक पारदर्शी और न्यायसंगत डिजिटल नीति अपनानी होगी। सूचना की इस नित परिवर्तनशील धारा में, जहाँ डिजिटल प्लेटफॉर्म विचारों के विस्तृत वितान की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं उन पर लगने वाली बंदिशें एक नवीन प्रश्नचिह्न उत्पन्न करती हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नियमन की कठोरता के मध्य झूलते इस युग में, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (क्ळ अूइ) की धारा 79 एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि निर्मित करती है। आईटी अधिनियम की धारा 79 डिजिटल मंचों को एक ऐसा आश्रय प्रदान करती है, जो उन्हें उपयोगकताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री की जवाबदेही से मुक्त रखता है, बशर्ते किः वे मात्र संदेश वाहक की भूमिका निभाएं, न कि नियंत्रक की। किसी अवैध सामग्री की सूचना मिलने पर, नियमानुसार उसे हटाने का यत्न करें। नवीनतम आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का अनुपालन करें। किन्तु, सरकार के हालिया कदमों ने इस कवच को किसी हद तक छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है, जहाँ अभिव्यक्ति की आजादी और नियमन की शक्ति के मध्य एक सतत संघर्ष दृष्टिगोचर होता है। सूचना और संप्रेषण के इस युग में सरकार द्वारा लागू किए गए कुछ प्रमुख हस्तक्षेपों पर यदि दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर बढ़ती निगरानी ने रचनात्मकता को एक कठोर परिधि में बाँधने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश विचारों के मुक्त प्रवाह में एक बाधा के समान प्रतीत होते हैं। आईटी नियम, 2021 का क्रियान्वयन डिजिटल संवाद के सहज प्रवाह को नियंत्रित करने की मंशा रखता है। कई डिजिटल प्लेटफार्मों पर सामग्री प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की कमी उपयोगकताओं के अधिकारों पर प्रभाव डालती है। स्वतंत्र पत्रकारिता एवं वैकल्पिक दृष्टिकोणों को प्रतिबंधित करने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा प्लेटफार्मों की स्वतंत्रता को सीमित करने और दायित्व को बढ़ाने की दिशा में एक अनवरत प्रयास किया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष दिन करियर के लिहाज से अच्छा है। आप छोटे-मोटे पार्ट टाइम काम के लिए भी समय निकाल पाएंगे।	**तुला** चिंतित और परेशान रहेंगे और आपके सामने कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।
वृषभ आपको पैसों की बचत करने की सलाह है और सिर्फ जरूरी चीजों की खरीद करें।	**वृश्चिक** अचानक से अच्छी खबर मिलेगी। व्यवसाय के क्षेत्र में तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें।
मिथुन आज करियर में सफलता मिलेगी और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।	**धनु** आज लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। किसी नए संपर्क से फायदा मिलेगा।
कर्क आज दिन व्यस्तता से भरा रहेगा और आप दूसरों की मदद करने को हमेशा तैयार रहेंगे।	**मकर** कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपके सम्मान में वृद्धि से मन काफी प्रसन्न होगा।
सिंह आपकी तरक्की होगी। आपको कारोबार की चिंता विशेष रूप से परेशान करेगी।	**कुंभ** सफलता मिलेगी और आपकी कई समस्याओं का अंत होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।
कन्या आज करियर में लाभ होगा और आपके लिए बिजनस में शानदार मुनाफा पाने के योग बने हैं।	**मीन** आज करियर में लाभ होगा और आपके आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं। आपकी उन्नति होगी।

विशेष

हनी ट्रैप की गंगा में बिना भेदभाव के डुबकी

कर्नाटक के हनी ट्रैप का मामला सारे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। विधानसभा में इस मामले ने तूल पकड़ा। इसकी गूंज सारे देश में हो गई। कर्नाटक की पुलिस तक इसकी आवाज नहीं पहुंच पाई।कर्नाटक के सहकारिता मंत्री का दावा है। 48 लोगों की सीडी और पेन ड्राइव जिसमें अंतरंग संबंधों के राज हैं। इसमें केंद्रीय मंत्री और राज्य के मंत्री भी शामिल हैं। कांग्रेस-बीजेपी और अन्य पार्टियों के नेता भी शामिल हैं। जज और अधिकारी इस हनी ट्रैप की सीडी में साथ साथ हैं। हनी ट्रैप विवाद को लेकर कर्नाटक की राजनीति तेज हो गई है। उप मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार की चुप्पी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धू रमैया का खेमा इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित कर रहा है। हनी ट्रैप की जद में सभी बिना किसी भेदभाव के साथ हैं। यह स्पष्ट हो गया है। इससे बड़ा राष्ट्रीय एकता और अखंडता का और कोई दूसरा सबूत नहीं हो सकता है।

सबसे गरीब पार्टी कांग्रेस सबसे अमीर भाजपा

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद भारत के राजनीतिक दलों के पास 14848 करोड रुपए का फंड था। चुनाव की अधिसूचना जारी होने के पहले यह फंड 11326 करोड रुपए था। लोकसभा का चुनाव खत्म होने के बाद भाजपा के खाते में 10107 करोड रुपए जमा थे। वहीं कांग्रेस के पास कुल 134 करोड रुपए का फंड बचा था। तीन राजनीतिक दलों का फंड चुनाव के बाद बढा।पहले नंबर पर भाजपा दूसरे नंबर पर तेलुगू देशम पार्टी और तीसरे नंबर पर कम्युनिस्ट पार्टी थी। चुनाव के पहले तेलुगू देशम पार्टी के पास 207 करोड रुपए थे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1879 : ब्रिटेन ने अफगानिस्तान पर हमला किया। 1919: गांधीजी की नवजीवन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। 1949: पूर्वी जर्मनी में जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई थी। 1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की स्थापना की। 1958: पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू किया। 1967: यूनान की सैनिक सरकार ने निष्कासित प्रधानमंत्री और अन्यों पर लगे प्रतिबंध उठा लिए। 1970: संयुक्त अरब गणराज्य के उपराष्ट्रपति अनवर सादात ने राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला। 1976 : सैनिक सरकार ने थाईलैंड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू की। 1987 : मिस्त्र के उपराष्ट्रपति हुस्नी मुबारक राष्ट्रपति अनवर सादात के उत्तराधिकार मनोनीत किए गए।

आज का राशिफल

मेष दिन करियर के लिहाज से अच्छा है। आप छोटे-मोटे पार्ट टाइम काम के लिए भी समय निकाल पाएंगे।	**तुला** चिंतित और परेशान रहेंगे और आपके सामने कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।
वृषभ आपको पैसों की बचत करने की सलाह है और सिर्फ जरूरी चीजों की खरीद करें।	**वृश्चिक** अचानक से अच्छी खबर मिलेगी। व्यवसाय के क्षेत्र में तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें।
मिथुन आज करियर में सफलता मिलेगी और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं।	**धनु** आज लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं। किसी नए संपर्क से फायदा मिलेगा।
कर्क आज दिन व्यस्तता से भरा रहेगा और आप दूसरों की मदद करने को हमेशा तैयार रहेंगे।	**मकर** कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपके सम्मान में वृद्धि से मन काफी प्रसन्न होगा।
सिंह आपकी तरक्की होगी। आपको कारोबार की चिंता विशेष रूप से परेशान करेगी।	**कुंभ** सफलता मिलेगी और आपकी कई समस्याओं का अंत होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।
कन्या आज करियर में लाभ होगा और आपके लिए बिजनस में शानदार मुनाफा पाने के योग बने हैं।	**मीन** आज करियर में लाभ होगा और आपके आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं। आपकी उन्नति होगी।

हिंदू नववर्ष पर जरूर निभाएं ये शुभ परंपराएं

गुड़ी पड़वा की शुरुआत चैत्र प्रतिप्रदा से होती है और इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ भी हो जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 30 मार्च 2025 को हो रहा है। इसे विक्रम संवत भी कहते हैं, जो प्राचीन हिन्दू पंचांग और कैलेंडर पर आधारित है। राजा विक्रमादित्य ने खगोलविदों की मदद से इसे व्यवस्थित करके प्रचलित किया था। इसे नवसंवत्सर भी कहते हैं। आओ जानते हैं इसकी 5 शुभ परंपराएं।

घर की सजावट

सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की साफ सफाई करने के बाद घर को तोरण, मांडना या रंगोली आदि से सजाया जाता है। इस दिन नव संवत्सर का पूजन, नवरात्र घटस्थापना, ध्वजारोपण आदि विधि-विधान किए जाते हैं। प्रत्येक राज्य में इस पर्व को वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार मनाते हैं।

ध्वजा लहराना और गुड़ी लगाना

लोग प्रातः जल्दी उठकर शरीर पर तेल लगाने के बाद स्नान करते हैं। स्नान आदि से निवृत्त होने के बाद मराठी समाज गुड़ी को बनाकर उसकी पूजा करके घर के द्वारा पर ऊंचे स्थान पर उसे स्थापित करते हैं, जबकि अन्य समाज के लोग धर्म ध्वजा को मकान के उपर लहराते हैं। गुड़ी पड़वा दो शब्दों से मिलकर बना हैं। जिसमें गुड़ी का अर्थ होता हैं विजय पताका और पड़वा का मतलब होता है प्रतिपदा। इस दिन सभी हिन्दू अपने घरों पर भगवा ध्वज लहराकर उसकी पूजा करते हैं। इस कार्य को विधि पूर्वक किया जाता है जिसमें किसी भी प्रकार की गलती नहीं करना चाहिए।

पारंपरिक व्यंजन

इस दिन श्रीखंड का सेवन करके ही दिन की शुरुआत करते हैं। इसी के साथ घर आए मेहमानों को श्रीखंड खिलाया जाता है और श्रीखंड का वितरण भी किया जाता है। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। इसी के साथ इस दिन पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं जैसे पूरन पोली, पुरी और मीठे चावल जिन्हें लोकप्रिय रूप से सक्कर भात कहा जाता हैं। हर प्रांत के अपने अलग व्यंजन होते हैं।

जुलूस का आयोजन और मिलन समारोह

इस दिन जुलूस का आयोजन भी होता है। लोग लोग नए पीले परिधानों में तैयार होते हैं और एक दूसरे से मिलकर नव वर्ष की बधाई देते हैं। लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव का आनंद लेते हैं और सड़क पर जुलूस का हिस्सा बनते हैं।

अन्य परंपराएं

इस दिन कड़वे नीम का सेवन आरोग्य के लिए अच्छा माना जाता है। इस दिन कोई अच्छा कार्य किया जाता है। जैसे प्याऊ लगाना, ब्राह्मणों या गायों को भोजन कराना। इस दिन बहिखाते नए किए जाते हैं। इस दिन से दो दिन के लिए दुर्गा सप्तशति का पाठ या राम विजय प्रकरण का पाठ की शुरुआत की जाती है। इस दिन नए संकल्प लिए जाते हैं। इस दिन किसी योग्य ब्राह्मण से पंचांग का भविष्यफल सुना जाता है। इस दिन हनुमान पूजा, दुर्गा पूजा, श्रीराम, विष्णु पूजा, श्री लक्ष्मी पूजा और सूर्य पूजा विशेष तौर पर की जाती है।

गुड़ी पड़वा के पीछे का मिथक

गुड़ी पड़वा को लेकर कई कहानियां और पौराणिक संदर्भ हैं। पवित्र हिंदू ग्रंथों में से एक, ब्रह्म पुराण में, यह उल्लेख किया गया है कि भगवान ब्रह्मा ने एक प्राकृतिक आपदा के बाद दुनिया को फिर से बनाया, जिससे सभी लोग मर गए और समय रुक गया। इस दिन, ब्रह्मा के प्रयास के बाद, समय फिर से शुरू हुआ और न्याय और सत्य का युग शुरू हुआ। इसी कारण से इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा की जाती है। एक अन्य कहानी में कहा गया है कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास बिताने के बाद सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे। यह दिन भगवान राम की रावण पर विजय का जश्न मनाता है। इसलिए, गुड़ी या ब्रह्मा का झंडा घरों में फहराया जाता है जैसे कि राम की रावण पर जीत के बाद विजय ध्वज के रूप में इसे अयोध्या में फहराया गया था। हालाँकि, गुड़ी का एक और ऐतिहासिक महत्व है। इतिहास गवाह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों को हराया और राज्य के लोगों को मुगल शासन से मुक्त कराया। यह एक प्रमुख कारण है कि महाराष्ट्र के लोग इस दिन गुड़ी फहराते हैं। ऐसा माना जाता है कि झंडा किसी भी प्रकार की बुराई को घरों के परिसर में प्रवेश करने से रोकता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान करें मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन मां दुर्गा की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। साथ ही मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा भी 9 दिनों तक पूरे विधि-विधान के साथ की जाती है। साथ ही चैत्र नवरात्रि के दिन से हिंदू नववर्ष का आरंभ भी होने जा रहा है। इसलिए यह दिन बेहद सौभाग्यशाली माना जा रहा है।

मां शैलपुत्री

शैलपुत्री मां दुर्गा के पहले रूप का नाम है। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने की वजह से इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। मां शैलपुत्री का वाहन बैल है और इनके दाएं हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का फूल है।

मां ब्रह्मचारिणी

मां दुर्गा के दूसरे रूप का नाम ब्रह्मचारिणी है। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तपस्या करने वाली। मां दुर्गा के इस रूप में वह तपस्विनी के रूप में नजर आती हैं और उनके दाएं हाथ में माला और बाएं हाथ में कमंडल होता है।

मां चन्द्रघण्टा

मां दुर्गा के तीसरे रूप का नाम चन्द्रघण्टा है। मां दुर्गा के इस रूप में उनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र नजर आता है। यही वजह है कि इन्हें चन्द्रघण्टा कहा जाता है। मां दुर्गा के इस रूप में उनकी दस भुजाएं हैं और ये सिंह पर सवार हैं।

मां कुष्माण्डा

मां दुर्गा के चौथे रूप का नाम कुष्माण्डा है। माना जाता है कि जब सृष्टि नहीं थी तो कुष्माण्डा मां ने ही अपनी मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी। मां कूष्मांडा सिंह पर सवार हैं और इनकी आठ भुजाएं हैं।

मां स्कंदमाता

मां दुर्गा के पांचवें रूप का नाम स्कंदमाता है। स्कंदमाता का अर्थ है स्कंद की माता। स्कंदमाता मां दुर्गा के पुत्र कार्तिकेय की माता हैं। मां स्कंदमाता शेर पर सवार हैं और इनकी चार भुजाएं हैं।

मां कात्यायनी

मां दुर्गा के छठे रूप का नाम कात्यायनी है। माना जाता है कि कात्यायन ऋषि ने मां दुर्गा को अपनी पुत्री के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। मां दुर्गा ने उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें पुत्री के रूप में जन्म दिया। मां कात्यायनी का वाहन सिंह है और इनकी चार भुजाएं हैं।

मां कालरात्रि

मां दुर्गा के सातवें रूप का नाम कालरात्रि है। मां दुर्गा के इस रूप में उनका रंग काला है और बाल बिखरे हुए हैं। मां कालरात्रि का वाहन गधा है और इनकी चार भुजाएं हैं।

मां महागौरी

मां दुर्गा के आठवें रूप का नाम महागौरी है। मां दुर्गा के इस रूप में उनका रंग अत्यंत गोरा है और वह शांत मुद्रा में नजर आती हैं। मां महागौरी का वाहन बैल है और इनकी चार भुजाएं हैं।

मां सिद्धिदात्री

मां दुर्गा के नौवें रूप का नाम सिद्धिदात्री है। मां दुर्गा के इस रूप में वह सभी सिद्धियों को देने वाली देवी के रूप में जानी जाती हैं। मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर विराजमान हैं और इनकी चार भुजाएं हैं।

चैत्र नवरात्रि पर बन रहे हैं विशेष संयोग

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के दौरान, माता रानी का वाहन हर साल बदलता रहता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि नवरात्रि किस दिन शुरू हो रही है। वही आदिशक्ति का महापर्व नौ दिवसीय चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से आरंभ होने जा रहा है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि की शुरुआत रविवार के दिन से हो रही है। यह एक विशेष संयोग है, क्योंकि इस बार नवरात्रि 9 दिनों की बजाय 8 दिनों तक ही मनाई जाएगी। इसलिए, नवरात्रि का समापन भी रविवार के दिन ही होगा। जब नवरात्रि की शुरुआत और समाप्ति रविवार या सोमवार को होती है, तो माता रानी का वाहन हाथी होता है। हाथी को हिंदू धर्म में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, हाथी पर सवार होकर माता रानी का आगमन भक्तों के लिए विशेष फलदायी होगा। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि की शुरुआत कई शुभ योगों के साथ हो रही है, जो इस पर्व के महत्व को और भी बढ़ा देते हैं। नवरात्रि के पहले दिन रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, इंद्र योग और रेवती नक्षत्र का अद्भुत संयोग बन रहा है। ये सभी योग पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माने जाते हैं।

नौ दिन के 9 कार्य

मूर्ति और कलश स्थापना

माता की मूर्ति लाकर उसे विधि विधान से घर में स्थापित किया जाता है। इसके साथ ही घर में घट या कलश स्थापना भी की जाती है। साथ ही एक दूसरे कलश में जावरे या जौ उगाए जाते हैं।

माता का जागरण

कई लोग अपने घरों में माता का जागरण रखते हैं। खासकर पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल आदि प्रदेशों में किसी एक खास दिन रातभर भजन-कीर्तन होते हैं। इन नौ दिनों में गरबा नृत्य का आयोजन भी होता है।

व्रत रखना

पूरे नौ दिन व्रत रखा जाता है। इसमें अधिकतर लोग एक समय ही भोजन करते हैं। प्रतिदिन दुर्गा चालीसा, चंडी पाठ या दुर्ग सप्तशती का पाठ करते हैं।

कन्या भोज

जब व्रत के समापन पर उद्यापन किया जाता है तब कन्या भोज कराया जाता है।

इनकी होती है पूजा

इस नवरात्रि में नौ देवियों में शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है।

नौ भोग और औषधि

शैलपुत्री कुट्टू और हरड़, ब्रह्मचारिणी दूध-दही और ब्राह्मी, चन्द्रघंटा चौलाई और चन्दुसूर, कूष्मांडा पेठा, स्कंदमाता श्यामक चावल और अलसी, कात्यायनी हरी तरकारी और मोइया, कालरात्रि कालीमिर्च, तुलसी और नागदौन, महागौरी साबूदाना तुलसी, सिद्धिदात्री आंवला और शतावरी।

नौ दिन के प्रसाद

पहले दिन घी, दूसरे दिन शक्कर, तीसरे दिन खीर, चौथे दिन मालपुए, पांचवें दिन केला, छठे दिन शहद, सातवें दिन गुड़, आठवें दिन नारियल और नौवें दिन तिल का नैवेद्य लगाया जाता है।

माता को अर्पित करें ये भोग

खीर, मालपुए, मीठा हलुआ, पूरणपोळी, मीठी बूंदी, घेवर, पंच फल, मिष्ठान, घी, शहद, तिल, काला चना, गुड़, कड़ी, केसर भात, साग, पूड़ी, भजिये, कद्दू या आलू की सब्जी भी बनाकर भोग लगा सकते हैं।

हवन

कई लोगों के यहां सप्तमी, अष्टमी या नवमी के दिन व्रत का समापन होता है तब अंतिम दिन हवन किया जाता है।

विसर्जन

अंतिम दिन के बाद अर्थात नवमी के बाद माता की प्रतिमा और जवारे का विसर्जन किया जाता है।

गुड़ी पड़वा का पर्व बेहद शुभ माना जाता है। इस साल यह 30 मार्च को मनाया जाएगा। यह दिन मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस पर्व को युगादी चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। इस शुभ अवसर पर महिलाएं अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है।

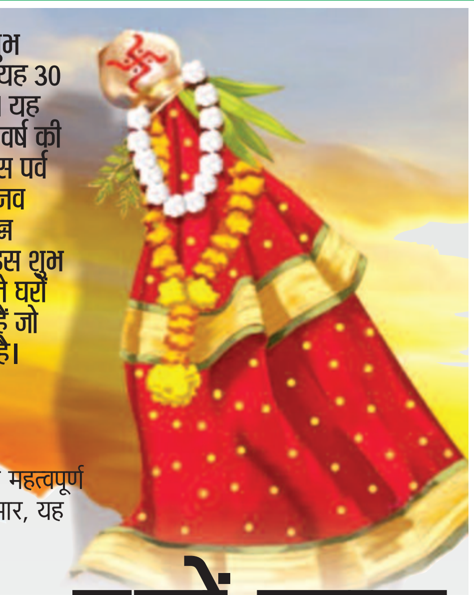

क्यों खास है गुड़ी पड़वा

गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र का एक महत्वपूर्ण पर्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है। यह मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घरों के बाहर समृद्धि के प्रतीक गुड़ी को लगाते हैं और पूजा करके गुड़ी पड़वा मनाते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह परंपरा पूरे साल खुशियां, सफलता और समृद्धि लाती है। इस साल गुड़ी पड़वा 30 मार्च 2025 को मनाया जाएगा। यह हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत 2082 और शुभ चैत्र नवरात्रि की शुरुआत के साथ भी मेल खाता है। युगादी, चेती चंड और नव संवत्सर उगादी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाने वाला यह पर्व चैत्र प्रतिपदा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है।

गुड़ी पड़वा का अर्थ

गुड़ी का मतलब है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है। यह रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। ऐसा कहा जाता यही वह दिन है, जब भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड के निर्माण की शुरुआत की थी। यह दिन महाराष्ट्र में बड़ी भव्यता और दिव्यता के साथ मनाया जाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा है गुड़ी पड़वा का पर्व

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का पर्व मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की जीत के रूप में मनाया जाता है। इसे लोग विजय ध्वज के समान अपने घरों के बाहर फहराते हैं। यह पर्व हिंदू विजय और समृद्धि का प्रतीक है। क्यों खास है गुड़ी पड़वा का पर्व महिलाएं स्नान के बाद अपने घरों को सुंदर गुड़ी से सजाती हैं, जो शुभ शुरुआत को दर्शाता है। गुड़ी को पारंपरिक रूप से एक बांस की छड़ी का उपयोग करके तैयार किया जाता है, जिसके ऊपर एक उल्टा चांदी, तांबा या पीतल का बर्तन रखा जाता है। इसके बाद केसरिया रंग के कपड़े, नीम या आम के पत्तों और फूलों से सजाकर इसे घर के सबसे ऊंचे स्थान पर लगाया जाता है। इसके अलावा लोग अपने प्रवेश द्वारों को रंगीन रंगोलियों से सजाते हैं, और प्रसाद के रूप में पूरन पोली और श्रीखंड जैसे विशेष व्यंजन तैयार करते हैं।

ध्वज के बिना अधूरा है गुड़ी पड़वा का त्योहार

हिंदी कैलेंडर के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। ऐसे में साल 2025 में 30 मार्च से हिंदू नववर्ष की शुरुआत होने जा रही है। भारत के कई राज्यों में हिंदू नववर्ष को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मराठी में इसे गुड़ी पड़वा कहा जाता है जो एक महत्वपूर्ण त्योहार है। हिंदी कैलेंडर के अनुसार, गुड़ी पड़वा का त्योहार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन लोग नए वस्त्र धारण करते हैं और अपने घरों को सजाते हैं। इस विशेष अवसर पर भगवान विष्णु के साथ-साथ ब्रह्मा जी की भी पूजा की जाती है।

गुड़ी पड़वा पूजा विधि

सबसे पहले गुड़ी पड़वा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करलें। इसे बाद पूरे घर की अच्छे से साफ-सफाई करने के बाद घर के मुख्य द्वार को आम के पत्ते की तोरण लगाएं और घर को रंगोली से सजाएं। अब घर के किसी एक हिस्से में गुड़ी लगाएं और उसे फूलों से सजाएं। गुड़ी पड़वा के दिन पूरे परिवार के साथ विधि- विधान पूर्वक ब्रह्मा जी पूजा करें। तत्पश्चात गुड़ी फहराने के बाद भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें।

चैत्र नवरात्रि के दौरान जरूर खरीदें ये चीजें घर में आएगी खुशहाली

चैत्र नवरात्रि का त्योहार नौ दिनों तक चलता है और इस दौरान मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्रि में खरीदारी करना शुभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि को किसी भी नए काम की शुरुआत के लिए बेहद शुभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि के दौरान सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अब ऐसे में चैत्र नवरात्रि के दौरान कुछ ऐसी चीजें हैं, जिसे खरीदने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन हो सकता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें मिट्टी का बर्तन

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है, जिसके लिए मिट्टी के कलश का उपयोग किया जाता है। मिट्टी के कलश को शुद्ध और पवित्र माना जाता है, इसलिए इसका उपयोग शुभ कार्यों में किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में मिट्टी के बर्तन को समृद्धि का कारक माना गया है। इसलिए मां दुर्गा की पूजा के लिए मिट्टी के बर्तन ही खरीदें।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें चांदी का सिक्का

चैत्र नवरात्रि के दौरान चांदी का सिक्का खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। नवरात्रि में चांदी का सिक्का खरीदने से घर में सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है। नवरात्रि में चांदी का सिक्का खरीदने से सौभाग्य बढ़ता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। चांदी के सिक्के को नवरात्रि पूजा में रखना शुभ माना जाता है।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें जौ

जौ को सृष्टि की पहली फसल माना जाता है, इसलिए इसे पूजा में शामिल करना शुभ माना जाता है। नवरात्रि में जौ बोने से देवी दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें पीले चावल

पीले चावल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि में इनका उपयोग देवी दुर्गा की पूजा में किया जाता है, जिससे घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। पीले चावल का उपयोग देवी-देवताओं को आमंत्रित करने के लिए किया जाता है। माना जाता है कि पीले चावल अर्पित करने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं।
चैत्र नवरात्रि के दौरान खरीदें श्रृंगार का सामान
चैत्र नवरात्रि के दौरान श्रृंगार का सामान खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि में सोलह श्रृंगार का सामान खरीदने और मां दुर्गा को अर्पित करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

सोने के भाव ने फिर रचा इतिहास

चांदी ने लगाई लंबी छलांग पहुंची 1 लाख के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन से पहले सोने-चांदी के रेट में आज बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है।सर्राफा बाजारों में बिना जीएसटी 24 कैरेट गोल्ड आज 889 रुपये की छलांग लगाकर 89306 रुपये पर खुला। यह इसका नया ऑल टाइम हाई है। दूसरी ओर, चांदी के रेट में 1159 रुपये की उछाल दर्ज की गई है। आज चांदी 100934 रुपये प्रति किलो की दर से खुली। बता दें 20 मार्च को पहली बार सोना 88761 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। आज 8वें दिन यह रिकॉर्ड टूट गया। वहीं, चांदी 18 मार्च को 100400 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पहुंची थी। आज इसने भी रिकॉर्डतोड़ ओपनिंग की है। ये रेट बिना जीएसटी के हैं। अगर 3 पर्सेंट जीएसटी जोड़ लें तो आज सोने के भाव 91985 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी के 102768 रुपये प्रति किलो पर पहुंच रहे हैं।

ग्लोबल मार्केट के साथ एमसीएक्स पर उछला सोना– आज ग्लोबल मार्केट में सोना 0.7 प्रतिशत बढ़कर 3,077 डॉलर प्रति औंस पहुंच गया, जबकि भारत में एमसीएक्स गोल्ड अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 0.65 प्रतिशत चढ़कर 88,955 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी ओर चांदी भी 0.48 पर्सेंट उछलकर 101798 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

नए वित्त वर्ष में सोना और महंगा होगा– एक्सपर्ट्स की मानें तो नए वित्त वर्ष में सोना और महंगा होगा। जियो पॉलिटिकल टेंशन, महंगाई और फेड की रेट कट का फायदा सोने को मिलेगा। निवेशकों को डॉलर और मार्केट के मूड पर नजर रखनी होगी। जोखिम हो सकता है, लेकिन सेफ्टी के लिए सोना अभी भी गोल्डन चॉइस लग रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोने का ग्लोबल प्राइस 3,100 डॉलर तक पहुंच सकता है। जबकि, भारत में 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने की उम्मीद है। एमके ग्लोबल की रिया सिंह के मुताबिक, सोना अभी 2,975 से 3,035 के बीच ऊपर–नीचे हो सकता है, लेकिन अगर ट्रेड वॉर की आग भड़की तो 3,150 डॉलर तक छलांग लगा सकता है। भारत में रुपया कमजोर होगा तो घरेलू कीमतें और उछलेंगी। सोने के रेट में उछाल के 3 बड़े कारण- अमेरिका और दूसरे देशों के बीच ट्रेड वॉर का डर, ट्रंप के ऑटो इम्पोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान और यूरोप–कनाडा को पर सख्त एक्शन लेंने के धमकी के डर से सोने के भाव आसमान छू रहे हैं।

कंपनी को मिला 25,62,79,924 रुपये का काम

शेयरों में लगा अपर सर्किट

नईदिल्ली, एजेंसी। एक्सपो गैस कंटेनर्स के शेयरों की कीमतों में आज अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड से मिला है। यह स्टॉक 5 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में 52.40 रुपये के लेवल पर खुला था। बता दें, कंपनी के शेयर बीएसई में 51.95 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। एक्सपो गैस कंटेनर्स ने बताया है कि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुंबई

रिफाइनरी से 25,62,79,924 रुपये का काम मिला है। इस ऑर्डर को पूरा करने में कंपनी को 3 साल का समय मिला है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी को 88.84 करोड़ रुपये का काम मिला है। बता दें, कंपनी को प्रदीप इंस्टालेशन की तरफ हाल ही में 37.22 करोड़ रुपये का काम मिला है।

1 साल में किया पैसा डबल– बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इसके बाद भी इस साल कंपनी के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत टूटा है। वहीं, 6 महीने में नुकसान थोड़ा कम हुआ है। इस दौरान स्टॉक का भाव 17 प्रतिशत की गिरा है। बता दें, तमाम उठापटक के बाद भी यह स्मॉलकैप स्टॉक 108 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

गर्मी की दस्तक से पहले एसी के दाम में 5 प्रतिशत का इजाफे की संभावना

टैरिफ और रुपये की गिरावट बन सकती है कारण

नईदिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी के शुरू होते ही एसी के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। कंपनियां अप्रैल से चार से पांच फीसदी तक दाम बढ़ा सकती हैं। इसका कारण यह है कि एक तो टैरिफ वार और दूसरा कमोडिटीज की कीमतों में लगातार तेजी है। साथ ही, डॉलर की तुलना में रुपये में जारी गिरावट से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ रहा है।

ब्लू स्टार के एमडी ने दी जानकारी– ब्लू स्टार के एमडी बी त्यागराजन ने कहा, कंपनी अप्रैल में घरेलू एसी की कीमतों में 4–5 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकती है। कमजोर होते रुपये के कारण आयात लागत में वृद्धि और आपूर्ति में व्यवधान मार्जिन प्रभावित कर रहा है। कम्प्रेसर के लिए दो प्रमुख चीनी आपूर्तिकर्ताओं पर कंपनियां निर्भर हैं, जिनकी भारत में भी विनिर्माण इकाइयां हैं, लेकिन यहां उनकी उत्पादन क्षमता कुल मांग का केवल 25 फीसदी ही है। साथ ही उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि देशों के बीच तनावों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ा दिया है। लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ गई है। उत्पादन समय सीमा प्रभावित होने से जरूरी घटकों की उपलब्धता कम हुई है। इनपुट लागत में वृद्धि एसी की कीमतें बढ़ने के लिए जिम्मेदार है। ब्लू स्टार ने भीषण गर्मी को देखते हुए मांग पूरी करने के लिए 150 नए मॉडलों को लॉन्च किया है।

देश के 284 अरबपतियों के पास जीडीपी की एक-तिहाई संपत्ति

चीन को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के 284 अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 10 फीसदी बढ़कर 98 लाख करोड़ रुपये या घरेलू जीडीपी का एक-तिहाई हो गई है। खास बात है कि भारत ने हर अरबपति की औसत संपत्ति के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन के 29,027 करोड़ की तुलना में भारत में हर अरबपति की औसत संपत्ति 34,514 करोड़ है। बृहस्पतिवार को जारी हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के मुताबिक, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति दुनिया में सबसे ज्यादा एक लाख करोड़ बढ़ी है। इसके साथ ही, उनकी दौलत 8.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी की संपत्ति 13 फीसदी घटकर 8.6 लाख करोड़ रह गई। हालांकि, उन्होंने फिर सबसे अमीर एशियाई का खिताब हासिल कर लिया है। भारतीय अरबपतियों की औसत आयु 68 वर्ष है, जो वैश्विक अमीरों की औसत

आयु से दो वर्ष अधिक है।

रोशनी नाडर सबसे अमीर महिला, शशांक–हर्षिल युवा– रोशनी नाडर 3.5 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ देश की पहली और दुनिया की पांचवीं सबसे अमीर महिला बनी हैं। उनके पिता शिव नाडर ने उन्हें एचसीएल में 47 फीसदी हिस्सेदारी दी है। रेजरपे के

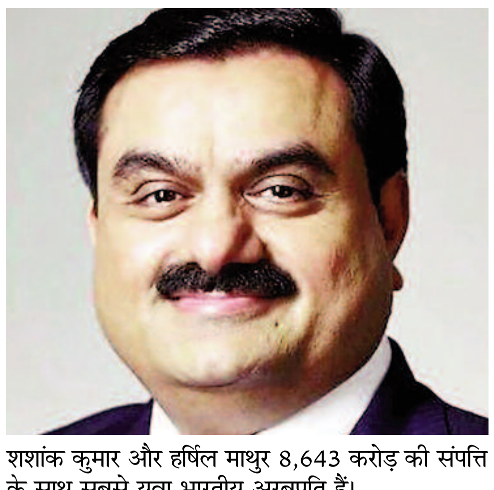

शशांक कुमार और हर्षिल माथुर 8,643 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे युवा भारतीय अरबपति हैं।

हेल्थकेयर क्षेत्र से सर्वाधिक अमीर– देश का हेल्थकेयर क्षेत्र 53 अरबपतियों के साथ सबसे आगे है। कैपिटल गुड्स में 35 व औद्योगिक उत्पादों में 32 अरबपति हैं।

45 नए अरबपति बने, 175 की दौलत बढ़ी– हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के मुताबिक, देश में बीते वर्ष 45 नए अरबपति बने हैं।इसके साथ ही, इनकी कुल संख्या बढ़कर 284 पहुंच गई। इस अवधि के दौरान 175 भारतीय अरबपतियों की दौलत में इजाफा हुआ है, जबकि 109 की संपत्ति में गिरावट आई है या स्थिर रही है। अरबपतियों की संख्या में बीते साल हुई बढ़ोतरी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमीरों के लिए तीसरे सबसे बड़े केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

मुंबई से छिना बिलेनियर कैपिटल का खिताब– शहरों के लिहाज से मुंबई में सबसे ज्यादा 90 अरबपति हैं। बीते वर्ष इनकी संख्या 11 बढ़ी है। फिर भी 92 अरबपतियों के साथ शंघाई ने मुंबई से एशियाई बिलेनियर कैपिटल का खिताब छीन लिया है।

मिनीरत्न कंपनी पर मोतीलाल का बड़ा दांव

405 करोड़ रुपये का मिला ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। मिनीरत्न कंपनी बीईएमएल लिमिटेड के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक चढ़कर 3366.10 रुपये पर जा पहुंचे हैं। बीईएमएल लिमिटेड को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन से 405 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। यह ऑर्डर मेट्रो कार सप्लाई और मेंटीनेंस के लिए है। इसके अलावा, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड ने बीईएमएल लिमिटेड पर बड़ा दांव लगाया है।

बीईएमएल के शेयर पिछले एक महीने में 35 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं।

मोतीलाल ओसवाल स्त्र्न ने खरीदे हैं 2.66 लाख शेयर– मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड ने गुरुवार 27 मार्च 2025 को ब्लॉक डील्स के जरिए बीईएमएल लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदी है। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने मिनीरत्न कंपनी के 2.66 लाख शेयर खरीदे हैं। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने 3048.3 रुपये प्रति शेयर के दाम पर बीईएमएल में हिस्सेदारी खरीदी है। स्टॉक एक्सचेंजों पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, मोतीलाल ओसवाल की दिसंबर 2024 तिमाही तक कंपनी में 1 पर्सेंट से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं थी। यही वजह है कि कंपनी का नाम शेयरहोल्डिंग पैटर्न में नहीं था।

एमएसएमई को 45 दिन में नहीं किया भुगतान तो बताना होगा देरी का कारण

केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

नईदिल्ली, एजेंसी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम यानी एमएसएमई कंपनियों को अगर कोई खरीदार 45 दिनों में भुगतान नहीं करता है तो उसे इसका कारण बताना अनिवार्य होगा। साथ ही, देय भुगतान की रकम भी बतानी होगी। केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने कहा, सभी कंपनियां जो एमएसएमई से वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति लेती हैं और जिनके आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान तय तारीख या स्वीकृति तारीख से 45 दिनों से अधिक है तो उन पर यह नियम लागू होगा। गौरतलब है कि एमएसएमई से खरीदी करने वाली कंपनियों को 45 दिन में भुगतान करना अनिवार्य है। अगर ऐसा नहीं होता है तो खरीदी करने वाली कंपनी के लिए यह भुगतान कमाई माना जाएगा और फिर इस पर टैक्स लगाया जाएगा। हालांकि, बाद में यह भुगतान करने पर इस टैक्स को वापस किया जा सकता है।

एक अप्रैल से बढ़ जाएगी कारोबार सीमा

एक अप्रैल से इन कंपनियों के लिए निवेश और कारोबार सीमा का वर्गीकरण भी 2.5 और 2 गुना बढ़ जाएगा। सूक्ष्म उद्योग के लिए पहले एक करोड़ रुपये की निवेश सीमा थी जो अब 2.5 करोड़ और कारोबार 5 करोड़ से बढ़कर 10 करोड़ रुपये हो जाएगा। छोटे उद्योग के लिए निवेश सीमा 10 से बढ़कर 25 करोड़ और कारोबार 50 से बढ़कर 100 करोड़ रुपये होगा। मध्यम उद्योगों के लिए यह 50 से बढ़कर 125 करोड़ और 250 करोड़ से बढ़कर 500 करोड़ रुपये हो जाएगी।

महारत्न कंपनी को मिला 11800 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर

220 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 3 पर्सेंट से अधिक उछलकर 221.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल एक बड़ा ऑर्डर मिलने से आया है। भेल ने शुक्रवार को अनाउंस किया है कि उसे 2×660 एमडब्ल्यू कोरबा वेस्ट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के इंजीनियरिंग, प्रेक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन पैकेज के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी से लेटर ऑफ इंटेंट मिला है।

11800 करोड़ रुपये का है यह प्रोजेक्ट– भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को मिले इस प्रोजेक्ट की वैल्यू करीब 11,800 करोड़ रुपये है। यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में हसदेव थर्मल पावर स्टेशन में स्थित है। इस प्रोजेक्ट में कंपनी को बायलर, टर्बाइन और जेनरेटर जैसे सुपरक्रिटिकल इक्विपमेंट की सप्लाई करनी है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल, कंट्रोल एंड इंस्ट्रूमेंशन और बैलेंस ऑफ प्लांट पैकेज शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 60 महीने में पूरा किया जाना है। पिछले हफ्ते भेल ने घोषणा की थी कि उसे गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड से 7500 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। भेल ने फरवरी में अनाउंस किया था कि उसे सिंगरेनी कोलियरीज से 6700 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला था।

17 में से 7 एनालिस्ट ने शेयर खरीदने की दी सलाह– भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) का कवरेज करने वाले 17 एनालिस्ट्स में से 8 ने कंपनी के शेयरों को सेल रेटिंग दी है। वहीं, सात एनालिस्ट्स ने महारत्न कंपनी के शेयर खरीदने की सलाह दी है। 2 एक्सपर्ट्स ने कंपनी के शेयरों को होल्ड रेटिंग दी है।

पांच साल में 970 प्रतिशत से ज्यादा उछले कंपनी के शेयर

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के शेयर पिछले पांच साल में 970 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। महारत्न कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 20.40 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 मार्च 2025 को 221.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 325 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले दो साल में कंपनी के शेयर 210 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। भेल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 335.40 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 176 रुपये है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार को लगाया 11,111 करोड़ का टीका

कर दी इस साल की सबसे बड़ी खरीदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशक पिछले कई महीनों से भारतीय बाजार में जमकर बिकवाली कर रहे थे लेकिन पिछले कुछ दिनों से स्थिति बदल गई है। विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को भारतीय बाजार में जमकर खरीदारी की। उन्होंने 11,111 करोड़ रुपये की नेट खरीदारी की। यह इस साल विदेशी निवेशकों की एक दिन की सबसे बड़ी खरीदारी है। 27 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 31,784 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे और 20,673 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों ने 39,853 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे और 37,335 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस तरह वे 2517 करोड़ रुपये के नेट बायर्स रहे। आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने 1.44 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं जबकि घरेलू निवेशकों ने 1.89 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं।

गुरुवार को ऑटो शेयरों में काफी गिरावट आई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इम्पोर्टेड कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इससे ऑटो और ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में काफी गिरावट आई। इससे व्यापार नीतियों को लेकर चिंता बढ़ गई। लेकिन पिछले सेशन में निफ्टी और सेंसेक्स शुरुआत में लड़खडाने के बाद फिर से ऊपर चढ़ने लगे। एचडीएफसी बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो जैसे दिग्गज शेयरों में खूब खरीदारी हुई। इससे बाजार को काफी सहारा मिला। सेंसेक्स 317.93 अंक बढ़कर 77,606.43 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 105.10 अंक की तेजी के साथ 23,591.95 पर बंद हुआ।

आज बाजार का हाल

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर मार्केट में गिरावट दिख रही है। 9.38 बजे सेंसेक्स 256 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,361 अंक पर है। निफ्टी 50 इंडेक्स भी 67 अंक की गिरावट के साथ 23,524 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, सन फार्मा, एचसीएल टेक और टीसीएस के शेयरों में 3.5 फीसदी तक गिरावट आई है जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील तेजी के साथ खुले।

पहले दिन बेचे 1,000 करोड़ के फ्लैट !

हैदराबाद के बाद गुरुग्राम में भी मचाया तहलका

नईदिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज के शेयरों में आज तेजी दिख रही है। शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच इस शेयर में करीब 2 फीसदी तेजी आई।

बीएसई पर कारोबार के दौरान यह 2165 रुपये तक चढ़ा। कंपनी का कहना है कि उसने गुरुग्राम में अपने लग्जरी प्रोजेक्ट में पहले ही दिन यानी लॉन्च डे पर 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के 90 फ्लैट्स बेचे हैं। कंपनी का यह प्रोजेक्ट गोल्फ कोर्स रोड पर है जिसे शहर का बहुत अच्छा इलाका माना जाता है। यह प्रोजेक्ट 2.76 एकड़ में फैला है। इसमें कई आधुनिक सुविधाएं हैं। इसमें तीन और चार बेडरूम के फ्लैट हैं। तीन बेडरूम के प्रोजेक्ट की कीमत 10 करोड़ रुपये से शुरू हो रही हैं।

कंपनी के एमडी और सीईओ गौरव पांडे का कहना है कि गुरुग्राम कंपनी के लिए बहुत ज़रूरी बाजार है। आने वाले वर्षों कंपनी इस बाजार में अपनी मौजूदगी और बढ़ाना चाहती है। गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर कंपनी का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। हाल में कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया था कि उसने हैदराबाद में 1,000 करोड़ रुपये के फ्लैट्स बेचे हैं। 0.84 मिलियन वर्ग फीट में फैला यह प्रोजेक्ट हैदराबाद के कोकापेट में है। इसे जनवरी 2025 में शुरू किया गया था। यह कंपन का हैदराबाद में पहला प्रोजेक्ट है। इससे दक्षिण भारत में कंपनी और भी मजबूत होगी।

शेयर का हाल

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हाल ही में बेंगलुरु के येलाहांका में भी 10 एकड़ जमीन खरीदी है। इस प्रोजेक्ट में 1.5 मिलियन वर्ग फीट का निर्माण किया जा सकता है। यहां प्रीमियम फ्लैट्स और दुकानें बनाने की योजना है। कंपनी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट से उसे लगभग 2,500 करोड़ रुपये की कमाई हो सकती है। यह प्लॉट एनएच–44 पर स्थित है। 12.30 बजे कंपनी का शेयर 0.48 प्रतिशत तेजी के साथ 2137.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस दौरान सेंसेक्स 233.74 अंक गिरावट के साथ 77,372.69 अंक पर आ गया।

पूरन ने अपनी छक्के मारने की क्षमता का राज खोला

दो आईपीएल मैचों में लगा चुके हैं 13 सिक्स

हैदराबाद (तेलंगाना), एजेंसी

निकोलस पूरन छक्के मारने या अपनी बल्ले की गति पर काम करने की योजना नहीं बनाते हैं, उनके अनुसार, वे बस अविश्वसनीय प्रतिभा से संपन्न हैं। छक्के मारने की मशीन पूरन ने लगातार छक्के मारने जारी रखा और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मौजूदा संस्करण में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए सिर्फ दो मैचों में 13 छक्के लगाए। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने सनराइजर्स हैदराबाद पर लगातार हमला करते हुए मात्र 26 गेंदों पर 70 रन की पारी खेली और स्स्त को 191 रनों के लक्ष्य का आसानी से पीछा करने और कुछ ओवर शेष रहते पांच विकेट से जीत दर्ज करने में मदद की। पूरन ने अपने द्वारा अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण की एक झलक दी, जिससे वह गेंद को आसानी से स्टैंड में पहुंचा सकते हैं और बाउंड्री की बौछार कर सकते हैं। कैरेबियाई स्टार के लिए उनकी सफलता की कुंजी ताकत में नहीं बल्कि उनके शॉट की टाइमिंग में निहित है। पूरन ने कहा, मैं छक्के मारने की योजना नहीं बनाता। मैं बस अच्छी स्थिति में आने की पूरी कोशिश करता हूं, और अगर वह सही स्थिति में है, तो मैं गेंद को सही समय पर मारता हूं। पिछले 9 वर्षों में, मैं अपने कौशल पर काम कर रहा हूं। जाहिर है, मुझे पावरप्ले में भी ऊपर बल्लेबाजी करने का मौका मिल रहा है। जब विकेट अच्छा हो, तो इसका फायदा उठाना वास्तव में महत्वपूर्ण है।

कौशल का प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश

जाहिर है, जब मैच होता है, तो आप अपने कौशल का प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करते हैं। मोहम्मद शमी द्वारा एडेन मार्करम का विकेट लेकर मेहमान टीम को शुरुआत में ही झकझोरने के बाद पूरन स्स्त के 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 10वीं गेंद पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। उन्होंने अपनी लय में आने में ज़्यादा समय बर्बाद नहीं किया और दूसरी गेंद पर ही चौका जड़ दिया। उन्होंने तीसरे ओवर में सिमरजीत सिंह पर हमला किया और दो शानदार छक्के लगाए जिसमें उन्होंने बिना किसी प्रयास के छक्के जड़ने की अपनी क्षमता का परिचय दिया।पावरप्ले के अंत में पूरन ने 16 गेंदों पर चार चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 44 रन बनाए। पूरन ने 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ा, जो टूर्नामेंट में उनका तीसरा सबसे तेज अर्धशतक था, जबकि सनराइजर्स के गेंदबाज उनका विकेट लेने की कोशिश में एक के बाद एक विफल हो गए। उन्होंने कहा, मैंने कभी अपने बल्ले की गति पर काम नहीं किया। मैं अविश्वसनीय प्रतिभा से धन्य हूं। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने वर्षों तक कड़ी मेहनत की है और मुझे क्रिकेट के मैदान पर इसका इनाम मिल रहा है और मैं अपनी टीम के लिए मैच भी जीत रहा हूं।

मियामी ओपन

जोकोविच मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी, दिमित्रोव से होगा सामना

मियामी, एजेंसी। पुरुष वर्ग के दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के गैरवरीयता प्राप्त किशोर खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने फ्रांस के 17वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराया।नोवाक जोकोविच ने अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को सीधे सेटों में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बन गए। इस तरह 37 साल के जोकोविच ने मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने सातवें खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए हैं। जोकोविच ने गुरुवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल मैच में कोर्डा को एक घंटे 24 मिनट में 6-3, 7-6 (7-4) से हराया। सेमीफाइनल में अब उनका सामना बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। जोकोविच ने 33 वर्षीय दिमित्रोव के खिलाफ जो 13 मैच खेले हैं उनमें से 12 में उन्होंने जीत दर्ज की है। पुरुष वर्ग के दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के गैरवरीयता प्राप्त किशोर खिलाड़ी जैकब मेन्सिक ने फ्रांस के 17वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 7-6 (7-5), 6-1 से हराया। 19 वर्षीय मेन्सिक पहली बार किसी एटीपी 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। फिल्स ने बुधवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था, लेकिन वह 19 वर्षीय मेनसिक के खिलाफ यह उपलब्धि नहीं दोहरा सके। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज मेनसिक का अगला मुकाबला सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इटली के मातियो बैरेटिनी को 7-5, 6-7, 7-5 से शिकस्त दी। इस बीच महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने छठी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 71 मिनट में 6-2, 6-2 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने फिलीपींस की एलेक्जेंड्री इयाला को 7-6, 5-7, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

पेगुला ने सेमीफाइनल में इला का स्वप्निल सफर समाप्त किया, सबालेंका के साथ फाइनल में पहुंची

मियामी, एजेंसी। जेसिका पेगुला ने शुक्रवार को मियामी ओपन सेमीफाइनल में 7-6(3), 5-7, 6-3 से जीत के साथ फिलीपींस की किशोर वाइल्डकार्ड एलेक्जेंड्रा इला का सिंड्रेला सफर समाप्त कर दिया। मैच की शुरुआत में 5-2 से पिछड़ने के बाद, पेगुला ने शुरुआती सेट को पलट दिया, 5-3 पर इला द्वारा सेट प्वाइंट पर डबल-फॉल्ट करने के बाद महत्वपूर्ण रूप से सर्विस तोड़ दी, जिससे 2 घंटे और 26 मिनट में जीत दर्ज की गई। 140वें स्थान पर काबिज एला, जिनके इस पखवाड़े में जेलेना ओस्टापेंको और मैडिसन कीज तथा नंबर 2 वरीयता प्राप्त इगा स्वीयाटेक पर जीत शामिल है, विंबलडन 2023 में एलिना स्वितोलिना के बाद, एक ही टूर-स्तरीय इवेंट में तीन या अधिक ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने वाली दूसरी वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी बन गई हैं। 19 वर्षीय खिलाड़ी गुरुवार को स्वीयाटेक पर अपनी बड़ी उलटफेर भरी जीत के बाद टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी भी बन गई थीं। पेगुला का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर 1 आर्यना सबालेंका से होगा। अमेरिकी खिलाड़ी को अब सबालेंका के खिलाफ पिछले आठ प्रयासों में केवल तीसरा मैच जीतने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा; शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पर उनकी आखिरी जीत 2023 डब्ल्यूटीए फाइनल के दौरान कैनकन में हुई थी।

पांड्या की वापसी से मुंबई को मिलेगी मजबूती, सिराज गुजरात के लिए चिंता का सबब

आईपीएल 2025

अहमदाबाद, एजेंसी। कप्तान हार्दिक पंड्या की एक मैच के प्रतिबंध के बाद बहुप्रतीक्षित वापसी शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले मैच में मुंबई इंडियंस की टीम को जरूरी संतुलन प्रदान करेगी। दोनों टीमें मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत की तलाश में हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस आईपीएल सत्र के शुरुआती मैच में हारने के अपने लंबे समय से चले आ रहे मिथक को नहीं तोड़ सकी। चेन्नई ने इस मैच को आसानी से चार विकेट से अपने नाम किया। दूसरी तरफ गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़े स्कोर वाला मैच को 11 रन से गंवा दिया। मुंबई इंडियंस ने पहले और दूसरे मैच के बीच लगभग एक सप्ताह के अंतराल के दौरान रिलायंस की जामनगर स्थित सुविधा में कुछ दिन बिताए। टीम ने यहां आराम करने के साथ आपसी समझ बढ़ाने वाली गतिविधियों पर ध्यान दिया।

टूर्नामेंट अभी अपने शुरुआती दिनों में ही है लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना मुंबई की गेंदबाजी इकाई संघर्ष करते हुए दिखी। इस दौरान पहले मैच में नियमित कप्तान पंड्या की गैरमौजूदगी ने टीम के लिए चीजों को और मुश्किल कर दिया। हार्दिक भारतीय क्रिकेट में मौजूदा समय में इकलौते तेज गेंदबाजी हरफनमौला है। वह गेंद और बल्ले दोनों में किसी एक से भी मैच पर बड़ा प्रभाव डालने की क्षमता रखते हैं। उनकी वापसी का मतलब है कि रॉबिन मिंज को शायद बाहर बैठना होगा।

मिंज अपने पहले मैच में चेन्नई के खिलाफ चेपॉक मैदान की मुश्किल पिच पर संघर्ष करते दिखे। टीम को हालांकि शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच खेलना है जहां परिस्थितियां पूरी तरह से बल्लेबाजी के अनुकूल दिखी है। इस मैदान पर पंजाब किंग्स (243) और गुजरात टाइटंस (232) के बीच खेले गये पिछले मैच में 475 रन बने थे। बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर गुजरात के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन अहम होगा। वह पिछले कुछ समय से लय में नहीं है और पंजाब के खिलाफ उन्होंने 54 रन लुटा दिये। प्रसिद्ध कृष्णा भी इस मैच में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। गुजरात की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाजों की कमी है और मुख्य कोच आशीष नेहरा के लिए यह चिंता की बात होगी। कैगिसो रबाडा और राशिद खान जैसे दिग्गज विदेशी खिलाड़ियों पर रन रोकने के साथ-साथ विकेट लेने का दबाव पर बहुत अधिक है। मुंबई के लिए भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और टेस्ट तथा एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदा लय चिंता का सबब है। हार्दिक की वापसी से टीम की बल्लेबाजी को गहराई मिलेगी जबकि जरूरत पड़ने पर वह नयी गेंद से गेंदबाजी आक्रमण की शुरुआत भी कर सकते है।

मुंबई इंडियंस की एक और समस्या विकेटकीपर बल्लेबाज की है। टीम रयान रिकलेटन पर बहुत अधिक निर्भर है क्योंकि रॉबिन मिंज के पास इस स्तर के क्रिकेट का ज्यादा अनुभव नहीं है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर कलाई के वामहस्त स्पिनर विग्नेश पुथुर ने अपनी प्रतिभा से प्रभावित किया। लेकिन उनकी असली परीक्षा गुजरात टाइटंस के खिलाफ बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर होगी। गुजरात टाइटंस को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी कप्तान शुभमन गिल पर होगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने जिस तरह से शेरफेन रदरफोर्ड को वाइड यॉर्कर या वाइड लो फुल-टॉस से परेशान किया उसे देखते हुए गुजरात की टीम ग्लेन फिलिप्स को मौका दे सकती है। फिलिप्स आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ऑफ-स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। गिल के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय होगी क्योंकि अधिकांश भारतीय गेंदबाज (सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और अनुभवी इशांत शर्मा) एक ही तरह की गेंदबाजी करते है।

टीमें

गुजरात टाइटंस: जोस बटलर, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, जयंत यादव, महिपाल लोमरोर, करीम जनत, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत, गेराल्ड कोएट्जी, शेरफेन रदरफोर्ड, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, अरशद खान, गुरनूर बरार, निशांत सिंधु

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रयान रिकलटन (विकेटकीपर), श्रीजीत कृष्णन (विकेटकीपर), बेवोन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिशेल सेंटनर, राज अंगद बावा, विग्नेश पुथुर, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान, जसप्रीत बुमराह

समयः शाम 07:30 बजे।

रोहित की फिटनेस पर युवराज के पिता योगराज सिंह का बयान

मैं उन्हें 20 किमी दौड़ाऊंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने रोहित शर्मा की फिटनेस पर बात करते हुए बताया कि कैसे 38 की उम्र में भी वह उनकी फिटनेस को कैसे बदल सकते हैं। हालांकि इस दौरान उन्होंने रोहित और विराट कोहली की खराब फॉर्म पर उनका बचाव करते भी नजर आए। भारतीय ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने टी20 विश्व कप और इसके बाद अजय रहते हुए हाल ही में चैम्पियंस ट्रॉफी अपने नाम की। वह आईपीएल में भी सबसे सफल कप्तानों में से है और मुंबई इंडियंस ने उनके नेतृत्व में 5 खिताब जीते हैं।

योगराज ने एक पॉडकास्ट में कहा, अगर आप मुझे भारतीय टीम का कोच बनाते हैं, तो मैं इन्हीं खिलाड़ियों का इस्तेमाल करके टीम को ऐसी टीम में बदल दूंगा जो हमेशा अजेय रहेगी। लोग हमेशा उन्हें बाहर करने के लिए तैयार रहते हैं - रोहित शर्मा को बाहर करें या कोहली को बाहर करें - लेकिन क्यों? वे बुरे दौर से गुजर रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर के 100 विकेट पूरे, बोले- जिस दिन नीलामी हुई वो मेरा बुरा दिन था

हैदराबाद, एजेंसी। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक बार फिर से शार्दुल ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन किया।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीजन के पहले मुकाबले में भी उन्होंने अपने पहले ही ओवर में जेक फ्रेजर और अभिषेक पेरोल के विकेट निकाल दिए थे। अब हैदराबाद के खिलाफ भी उन्होंने एक ही ओवर में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन का विकेट निकालकर कमाल कर दिया। यह शार्दुल के चार विकेटों का ही जादू था कि हैदराबाद पहले खेलते हुए 190 रन ही बना पाई। इस मैच के साथ ही शार्दुल ने अपने आईपीएल करियर के 100 विकेट भी पूरे कर लिए। पहली पारी खत्म होने के बद शार्दुल ठाकुर ने कहा कि मुझे लगता है कि क्रिकेट में ये सब होता रहता है। नीलामी के वक्त वह मेरे लिए एक बुरा दिन था जब मुझे किसी भी फ्रैंचाइजी ने नहीं चुना।

पैट कमिंस ने आईपीएल में बल्ले से रचा इतिहास

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2025 का 7वां मैच कुछ खास नहीं रहा. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 27 मार्च को उन्हें 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. ये इस सीरीज में एसआरएच टीम की पहली हार थी.

इससे पहले शुरुआती मुकाबले में वह बाजी मारने में कामयाब रही थी. टीम को भले ही हार का सामना करना पड़ा, लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने एक खास लिस्ट में अपनी जगह बना ली. पैट कमिंस ने आईपीएल में एक ऐसा कारनामा किया जो इससे पहले सिर्फ 3 बल्लेबाज कर सके थे. इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही. लेकिन पैट कमिंस ने अपनी बल्लेबाजी से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. कमिंस ने अपनी पारी की शुरुआती तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के जड़कर आईपीएल में यह कारनामा करने वाले चौथे खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया.

उनसे पहले सुनील नरेन, निकोलस पूरन और एमएस धोनी इस अनोखे क्लब का हिस्सा बन चुके हैं.

लेकिन वह इस लिस्ट में शामिल होने वाले पहले गेंदबाज हैं. पैट कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के दौरान 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे थे. उन्होंने लखनऊ के तेज गेंदबाज शार्दू ठाकुर के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया और पहली ही गेंद पर पॉइंट के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा, दूसरी गेंद फुलटॉस थी जिसे उन्होंने सीधे साइटस्क्रीन के पार भेजा. इसके बाद उन्होंने आवेश खास की गेंद पर भी छक्का लगाया और 3 गेंदों पर 18 रन बटोर लिए. हालांकि, अगली ही गेंद पर वह आउट हो गए. उनकी इस छोटी सी पारी ने टीम ने स्कोर में एक अहम योगदान दिया. जिसके चलते स्स्र। 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाने में कामयाब रही.

पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदराबाद को भले ही इस मैच में हार का सामना करना पड़ा. लेकिन वह गेंद से भी अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 3 ओवर में 29 रन खर्च किए और 2 विकेट अपने नाम किए. हालांकि ये प्रदर्शन उनकी टीम की जीत के लिए काफी नहीं था, क्योंकि लखनऊ ने 191 रन के टारगेट को सिर्फ 16.1 ओवर में हासिल कर लिया.

6830 रन और 127 विकेट... स्टार खिलाड़ी ने अचानक किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत के लगभग सभी स्टार खिलाड़ी फिलहाल आईपीएल में खेल रहे हैं. वहीं, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच इंटरनेशनल सीरीज खेली जा रही है. इसी बीच क्रिकेट के एक स्टार खिलाड़ी ने संन्यास का ऐलान कर दिया है. इस खिलाड़ी ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया है. वह नवंबर 2024 से इस फॉर्मेट का हिस्सा नहीं बना है. हालांकि ये खिलाड़ी लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेगा.

38 साल के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोइसेस हेनरिक्स ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है. हेनरिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के लिए चार टेस्ट मैच खेले हैं, वन-डे कप में न्यू साउथ वेल्स के लिए उपलब्ध रहेंगे और सिडनी सिक्सर्स के साथ उनके मौजूदा अनुबंध में एक सीजन शेष है, जिसके वे कप्तान भी हैं. बता दें, हेनरिक्स ने नवंबर के शुरू से ही शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए कोई मैच नहीं खेला था और अब इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है.मोइसेस हेनरिक्स ने संन्यास का ऐलान करते हुए कहा, 'मैंने इस साल क्रिसमस से पहले ही तय कर लिया था कि अब शेफील्ड शील्ड क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए. इतने लंबे समय तक इस राज्य के लिए खेलना और नेतृत्व करना सम्मान की बात थी, लेकिन न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलना केवल शब्दों और तैयारी के माध्यम से ही नहीं बल्कि प्रदर्शन के माध्यम से भी नेतृत्व करना है. इस उम्र में भी मेरा शरीर अभी भी सक्षम है, लेकिन मैं खेल के लंबे फॉर्मेट में अपने राज्य के लिए मैच जीतकर नेतृत्व नहीं कर पा रहा था, जो मुझे लगता है कि इस उम्र में आपको करना ही चाहिए.'

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ऐसा रहा प्रदर्शन

2013 में चेन्नई में भारत के खिलाफ अपने टेस्ट डेब्यू में 68 और नाबाद 81 रन बनाए थे, लेकिन अपने अगले तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके, जिनमें से दो भारत के खिलाफ और एक 2016 में श्रीलंका के खिलाफ था. उन्हें अपने करियर के दौरान कुल 131 लिस्ट ए मैच खेले, जिसमें उन्होंने 34.84 की औसत से 6830 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 13 शतक देखने को मिले. इसके अलावा उन्होंने 30.75 की औसत से 127 विकेट भी चटकाए.

कहानियां परदे तक अपना रास्ता खुद बनाती हैं

मैं सिर्फ काम में यकीन रखती हूं: चित्रांगदा सिंह

जोधपुर में जन्मी और बरेली व मेरठ में पली-पढ़ीं चित्रांगदा सिंह को हिंदी सिनेमा से आंख-मिचौली खेलने की शुरू से आदत रही है। जब वह धमाकेदार काम करती हैं और लोग उन्हें तलाशते हैं, तो वह गायब हो जाती हैं। और, फिर एकाएक लौट आती हैं एक और धमाका करने। चित्रांगदा से एक खास मुलाकात।

➤आपकी नई वेब सीरीज 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' इन दिनों नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रही है, कैसा रहा बंगाल में शूटिंग करने का अनुभव?

पश्चिम बंगाल बहुत अद्भुत है। खासतौर से कोलकाता शहर। इस शहर से मेरी तमाम यादें पहले की भी जुड़ी हैं। दुर्भाग्य से इस बार वेब सीरीज 'खाकी- द बंगाल चैप्टर' में मेरे हिस्से की अधिकतर शूटिंग यहां मुंबई में ही अधिक हुई। हां, कुछ दिन के लिए गई थी मैं कोलकाता, इस सीरीज की शूटिंग करने।

➤ आपने कहा आपकी यादें कोलकाता से पहले की भी हैं, क्या हैं वे?

फिल्म 'बॉब बिस्वास' के लिए गई थी मैं वहां। और, अभिषेक बच्चन, फिल्म के हीरो, मेरे साथ थे ही। उनको कोलकाता तो ऐसे पता है जैसे वह वहीं बचपन से खेले-कूदे हैं। गली, गली वहां की पहचानते हैं। उन्होंने मुझे शानदार बंगाली खाना खिलाया। वहां के एक प्रसिद्ध मंदिर भी ले गए। कई बार तो लगता है कि वह बंगाली ही हैं। बहुत ही खूबसूरत शहर है कोलकाता।

➤और, यहां मुंबई में आप ढूंढे से भी नहीं मिलतीं..

अरे नहीं, ऐसा नहीं है। अब तो मैं यहीं हूं काम भी कर रही हूं लगातार। बस मैं बहुत घूमती फिरती नहीं हूं। वह क्या कहते हैं, 'स्पॉट' नहीं की जाती हूं तो लोगों को लगता है कि मैं यहां नहीं हूं। मैं सिर्फ काम में यकीन रखती हूं। अभिनय से फुर्सत मिलती है तो लिखती हूं। कुछ नया रचने की कोशिश करती हूं।

➤हां, 'सूरमा' भी तो लिखी थी आपने, इसकी सी[ल की खूब चर्चा थी, उसका क्या हुआ?

'सूरमा' की मेकिंग अपने आप में एक अलग कहानी है। इस फिल्म को बनने का श्रेय बहुत कुछ दिलजीत दोसांझ को जाता है जिन्होंने इस फिल्म के लिए हां की। फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी कमबैक स्टोरी है। 'सूरमा' का डीएनए भी यही है। ऐसी ही कोई और कमबैक स्टोरी मिली तो 'सूरमा 2' भी बनेगी। कहानियां परदे तक अपना रास्ता खुद बनाती हैं।

➤और, आपका अपना रास्ता अब तक हिंदी सिनेमा में कैसा रहा है?

मेरा बड़े परदे पर डेब्यू करना इस सफर का सबसे हाईलाइट प्वाइंट रहा है। फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' की गीता की गमक अब भी कहीं न कहीं दिख ही जाती है। लोग मुझे उस किरदार से आज भी पहचानते हैं। उसके बाद की भी तमाम फिल्में हैं जिनके किरदारों के नामों से लोग मुझे पुकारते रहे हैं लेकिन डेब्यू फिल्म का किरदार तो अलग ही मायने रखता है।

➤कोई ऐसा वाकया जब आपको किसी ने रोककर इस फिल्म के लिए आपकी तारीफ की हो?

ये तब की बात है, जब मैं न्यूयॉर्क चली गई थी, लंबी छुट्टियां बिताने। मैं लिफ्ट में थी और वहां दो स्कूली छात्र भी थे। उनमें से शायद एक भारतीय मूल का था। वे मेरे पास आए और बोले कि उन्होंने मेरी फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' एक फिल्म समीक्षा पाठ्यक्रम के दौरान देखी है। वह दिन मैं कभी नहीं भूल सकती।

जान से मारने की धमकियों पर सलमान बोले-

'मैं किसी से नहीं डरता, सब ईश्वर पर छोड़ दिया है'

अभिनेता सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेता ने भारी सुरक्षा के साथ घूमने-फिरने से होने वाली परेशानी पर प्रतिक्रिया दी। सलमान ने कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है। सलमान खान जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर हैं, जो 1990 के दशक में सुपरस्टार के काले हिरण के शिकार का बदला लेना चाहता है। सिकंदर की रिलीज से पहले सलमान खान ने मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में मीडिया से बात की और बताया कि भारी सुरक्षा के साथ बाहर आना- जाना परेशानियों का सबब बन जाता है। अभिनेता ने यह भी कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते हैं और उन्होंने अपनी सुरक्षा की देखभाल भगवान पर छोड़ दी है। खान ने मीडिया से कहा, भगवान, अल्लाह सब बराबर हैं। जितनी उम्र लिखी है, उतनी लिखी है। इतने सारे लोगों के साथ घूमना एक समस्या बन जाती है। मैं किसी धमकी से नहीं डरता, सब ईश्वर पर छोड़ दिया है। हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान काले हिरण शिकार मामले में संलिप्तता के लिए बिश्नोई ने सलमान को जान से मारने की धमकी दी थी।

सिकंदर की रिलीज से पहले रश्मिका का बयान

सलमान खान की एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर 30 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। सिकंदर की रिलीज से पहले इसका प्रमोशन लगातार जारी है। इसी बीच रश्मिका ने फिल्म सिकंदर को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसे सुनकर फैंस के बीच खलबली मच गई है। सलमान खान और रश्मिका मंदाना पहली बार फिल्म सिकंदर में रोमांस करते नजर आएंगे। फिल्म में रोमांस के अलावा भरपूर एक्शन भी देखने को मिलेगा। सिकंदर की रिलीज से पहले कई लगातार फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां सामने आ रही है, ताकि दर्शकों का उत्साह बना रहे। 123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक रश्मिका का कहना है कि वह यह देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं कि दर्शक सिकंदर में उनके अभिनय पर अपनी कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। रश्मिका ने आगे कहा, मैं पहले अपनी किसी भी फिल्म की रिलीज के लिए इतनी टेंशन में नहीं रही। यह सलमान खान की फिल्म है और ईद पर रिलीज होगी। मैं यह देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं कि दर्शक इतनी बड़ी फिल्म में मुझे किस तरह से लेते हैं। सलमान खान और रश्मिका मंदाना के अलावा सिकंदर में काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगदास ने किया है जबकि फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं।

ऐश्वर्या से ब्रेकअप के बाद

इस एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में लाए थे सलमान खान

साल 2005 में ऐश्वर्या और सलमान के साथ ब्रेकअप की खबरों के बाद सलमान खान एक एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में लाए थे। इस एक्ट्रेस को लोगों ने ऐश्वर्या का हमशक्ल बताया था। सलमान खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ये फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में आने वाली है। सलमान कई लोगों के मसीहा कहे जाते हैं। कई एक्टर्स मानते हैं कि सलमान खान ने उनके करियर को बूस्ट किया है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि सलमान खान किस अभिनेत्री को इंडस्ट्री में लाए थे जिसकी काफी चर्चा हुई थी।

ऐश्वर्या की तरह थीं एक्ट्रेस

सलमान खान की फिल्म लकी- नो टाइम फॉर लव साल 2005 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म कामयाब रही थी। इस फिल्म में सलमान ने अदाकारी की थी। उनके साथ इस फिल्म में स्नेहा उल्लाल ने भी अदाकारी की थी। स्नेहा उल्लाह को देखकर लोग हैरत में पड़ गए थे। लोगों ने कहा था कि ये तो ऐश्वर्या का हमशक्ल हैं।

ऐश्वर्या से सलमान का हुआ था ब्रेकअप

खबरों की मानें तो ये वही वक्त था जब सलमान खान का ऐश्वर्या राय के साथ ब्रेकअप हुआ था। इसी दौरान सलमान खान ऐश्वर्या का हमशक्ल ले आए थे। इसी दौरान ये फिल्म भी रिलीज हुई थी। ये मामला काफी सुर्खियों में रहा था।

इंडस्ट्री से दूर हो गईं स्नेहा

कहने को तो स्नेहा उल्लाल ऐश्वर्या राय जैसी ही थीं। लकी के बाद उनकी कई फिल्में भी रिलीज हुईं थीं लेकिन स्नेहा उल्लाल वह नहीं कर पाईं जो ऐश्वर्या राय ने कर दिया। इंडस्ट्री में उन्हें उतनी लोकप्रियता नहीं मिली जितनी ऐश्वर्या को मिली। इंडस्ट्री में जहां ऐश्वर्या अभी भी एक्टिव हैं, तो वहीं स्नेहा उल्लाल काफी पहले इंडस्ट्री से दूर हो गईं। लकी के बाद स्नेहा आर्यन, बेजुबान इश्क और क्लिक में नजर आईं। इसके बाद वह फिल्मों से दूर हो गईं।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी : पत्रलेखा

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई। फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की।

उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मिस वर्ल्ड मानुषी को यूथ आइकॉन का खिताब मिला

मिस वर्ल्ड का ताज पहनने के बाद से ही मानुषी छिल्लर महज़ एक सुंदरता की मिसाल भर नहीं रहीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। एक ग्लोबल आइकन के रूप में, उन्होंने न केवल समाजसेवा में अपने जुनून को आगे बढ़ाया है, बल्कि लक्ज़री, फ़ैशन और ब्यूटी इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही, उन्होंने अभिनय और

उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में, मानुषी को एक प्रतिष्ठित समिट में यूथ आइकन के रूप में सम्मानित किया गया, जहाँ उनकी कड़ी मेहनत और सफलता की प्रेरणादायक यात्रा को सराहा गया। मानुषी को एक युवा पैनल में बात करने के लिए आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्हें यूथ आइकॉन के सम्मान से सम्मानित किया गया। सफेद रंग के एलिगेंट थ्री-पीस ब्लेज़र में वह बेहद आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और उन्होंने समिट के दौरान पूछे गए सभी सवालों के बेहतरीन जवाब दिए। मानुषी ने कई मौकों पर साबित किया है कि वह सिर्फ ब्यूटी क्वीन ही नहीं हैं, बल्कि एक बहुमुखी और बहु-प्रतिभाशाली व्यक्तित्व भी हैं.

द भूतनी में मोहब्बत के रूप में मौनी रॉय आपको नफ़रत और प्यार दोनों से कराएगी रुबरु

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं ! उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी ! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन—प्यार या प्रलय आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है।

सोफिया अंसारी ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, इन फोटोज में वह एक बार फिर ब्रालेस होकर अपनी हॉटनेस से इंटरनेट का पारा बढ़ा रही हैं.

सोशल मीडिया सेंसेशन सोफिया अंसारी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपने बोल्ड फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. सोफिया की हर एक तस्वीर को देख फैंस आहें भरते हैं. अब एक बार फिर सोफिया अंसारी ने लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस एक बार फिर ब्रालेस होकर धांसू पोज दे रही हैं. सोफिया की यह तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं और जमकर वायरल हो रही हैं. इन तस्वीरों में सोफिया अंसारी ब्रालेस नजर आ रही हैं. उन्होंने केवल रेड कलर का ब्लेजर पहना है और इसके साथ ब्लैक पैंट पहनी है. इस आउटफिट में वह बला की खूबसूरत लग रही हैं. इस तस्वीर में सोफिया अंसारी अपनी आंखों पर ब्राउन चश्मा लगाकर किलर लुक दिखा रही हैं. सोफिया की इन तस्वीरों पर फैंस लट्टू हो गए हैं. इस तस्वीर में सोफिया अंसारी इस रेड ब्लेजर में अपना पूरा बदन फ्लॉन्ट कर रही हैं. एक्ट्रेस की हर एक तस्वीर पर लोगों की निगाहें थम गई हैं.

लापता लेडीज में 'इंस्पेक्टर मनोहर' बनना चाहते थे आमिर खान

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन क्लिप में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई। सामने आए ऑडिशन क्लिप में आमिर फिल्म के एक सीन में अभिनय करते नजर आए। वीडियो में अभिनेता एक पुलिसकर्मी के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जो आराम से पान चबाते हुए वहां उपस्थित लोगों से बात करते नजर आए। ऑडिशन क्लिप में आमिर पुलिस की वर्दी में 'श्याम मनोहर' की भूमिका के लिए अलग-अलग हाव-भाव के साथ ऑडिशन देते नजर आए। वह क्लिप में कुछ गलतियां भी करते हैं। इससे पहले निर्माता-निर्देशक किरण राव ने खुलासा किया था कि आमिर शुरू में 'श्याम मनोहर' की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक थे और उन्होंने इस भूमिका के लिए ऑडिशन भी दिया था। हालांकि, रवि किशन का स्क्रीन टेस्ट देखने के बाद उन्हें लगा कि किशन इसके लिए बेहतर हैं और उन्हें मौका दिया।